दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
● नई दिल्ली। सोमवार 02 फरवरी -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 44 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

आत्मनिर्भर भारत पर सरकार का फोकस - निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। 1 फरवरी, 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में अपना 9वां लगातार बजट पेश किया। इस साल का बजट कई मायनों में ऐतिहासिक रहा–न केवल इसलिए कि यह पहली बार रविवार को पेश किया गया, बल्कि इसलिए भी क्योंकि इसमें 'कर्तव्य' और 'विकास' के तालमेल पर जोर दिया गया है। 53.5 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय वाला यह बजट भारत को 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के रोडमैप को और मजबूत करता है।

1. राजकोषीय अनुशासन और आर्थिक मजबूती : सरकार ने विकास की गति को तेज करने के साथ-साथ वित्तीय स्थिरता पर भी ध्यान केंद्रित किया है। पूंजीगत व्यय : बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए कैपेक्स लक्ष्य को 9% बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। राजकोषीय घाटा : इसे पिछले वर्ष के 4.4% से घटाकर 4.3% रहने का अनुमान लगाया गया है ।कर प्राप्तिः शुद्ध कर प्राप्तियां लगभग 28.7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जो देश की बढ़ती आर्थिक क्षमता को दर्शाता है।

2. कर प्रणाली: नया आयकर अधिनियम 2025 : करदाताओं के लिए इस बजट की सबसे बड़ी घोषणा 'नया आयकर अधिनियम, 2025' है, जो 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा ।स्लैब में बदलावः व्यक्तिगत आयकर स्लैब में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन नियमों को सरल बनाने पर जोर दिया गया है। टीसीएस में राहतः विदेशी टूर पैकेज पर लगने वाले टीसीएस को 5-20% की सीमा से घटाकर फ्लैट 2% कर दिया गया है ।रिटर्न की समय सीमाः आयकर रिटर्न संशोधित करने की अवधि को 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च कर दिया गया है।

3. 'युवा शक्ति' और शिक्षा पर बड़ा निवेश : युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु शिक्षा और कौशल विकास के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं ।गर्ल्स हॉस्टलः महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए देश के हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल बनाने की घोषणा की गई है। एआई और तकनीकः शिक्षा क्षेत्र के लिए 500 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एआई' की स्थापना की जाएगी। कंटेंट क्रिएटर लैबः 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में 'कंटेंट क्रिएटर लैब' बनाई जाएंगी ताकि युवाओं को डिजिटल इकोनॉमी से जोड़ा जा सके।

4. बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी : रेलवे और लॉजिस्टिक्स को आधुनिक बनाने के लिए

विस्तृत खबर, पृष्ठ 2

बजट 2026-27: 'विकसित भारत' की ओर स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल और ढांचागत शंखनाद : पीएन अरोड़ा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। डॉ. पी. एन. अरोड़ा, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने और देश को मेडिकल वैल्यू टूरिज्म का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में एक विकास-केंद्रित रोडमैप प्रस्तुत करता है। क्षेत्रीय मेडिकल हब और नए आयुर्वेद संस्थानों जैसे प्रस्ताव स्वास्थ्य क्षेत्र और उससे जुड़े क्षेत्रों में सार्वजनिक-निजी साझेदारी की बड़ी संभावनाओं को दशार्ते हैं। पिछले बजट में 'हील इन इंडिया' पहल को काफी बढ़ावा दिया गया था, जबकि इस वर्ष इसका स्पष्ट उल्लेख सीमित रहा है। हमें उम्मीद है कि लागू करने के चरण में इस महत्वपूर्ण पहल को और मजबूत व विस्तारित करने पर अधिक ध्यान दिया जाएगा, ताकि वैश्विक स्तर पर भारत की स्वास्थ्य स्थिति और सुदृढ़ हो सके।

स्वास्थ्य कर्मियों के विकास, बायोफार्मा शक्ति, उन्नत अनुसंधान संस्थान और डिजिटल स्वास्थ्य पर दिया गया जोर भी उत्साहजनक है। पूंजी निवेश, संरचनात्मक सुधार, एआई और रोबोटिक सर्जरी, एसएमई ग्रोथ फंड और सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के साथ मिलकर ये कदम न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाएंगे और नवाचार व शोध को आगे बढ़ाएंगे, बल्कि सहायक उद्योगों को बढ़ावा देंगे, रोजगार के अवसर पैदा करेंगे और विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करेंगे।

राजकोषीय घाटे को 4 प्रतिशत तक घटाना भी वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालिक स्थिरता का सकारात्मक संकेत है, जो आर्थिक स्थिरता बनाए रखते हुए भारत की विकास यात्रा पर विश्वास को और मजबूत करता है।

विधायक जी की नसीहत कौन से भाजपा मंडल अध्यक्ष को पसंद नहीं आयी
हो गयी दोनों के बीच जुबानी तकरार, फिर संगठन वालों ने मामला सुलझाया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। इन दिनों फ्लॉवर वालों के यहां सीन कुछ फायर वाला चल रहा है। फूल वाले इन दिनों कूल नहीं चल रहे हैं और आलम ये हो रहा है कि छोटी सी बात भी तूल पकड़ लेती है। एसआईआर अभियान के ये साईड इफैक्ट हो सकते हैं। लेकिन कुल मिलाकर सर्दी के मौसम में गहमा गहमी का माहौल चल रहा है। बड़ी बात ये है कि ये माहौल ऊपर से लेकर नीचे तक चल रहा है। बीते दिनों भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मौजूदा कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेवी सिंह और भाजपा के ही एक विधायक के बीच की गहमा गहमी का वीडियो सामने आया था। इसके बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या के सामने एक अध्यक्ष और कार्यकर्ता के बीच गहमा गहमी हो गयी थी। अब तीसरा मामला गाजियाबाद से आया है। और यहां भी भाजपा के एक विधायक ने जब एक मंडल अध्यक्ष को अभियान को लेकर काम करने की नसीहत दी तो मंडल अध्यक्ष नाराज हो गये। दरअसल विधायक जी अपने क्षेत्र में पूरी तरह एक्टिव रहते हैं और संगठन के कामों में भी वो पूरी रूची लेते हैं। वो भी एसआईआर अभियान में जुटे हुए थे और उनकी शिकायत मंडल अध्यक्ष से ये थी कि कम से कम फोन तो उठाओ और संवाद कायम करो। दूसरी नसीहत ये थी कि अगर कोई जिम्मेदारी ली है तो फिर उस पर पूरी तरह से काम करो। सीन में एसआईआर अभियान ही था। सूत्र बताते हैं कि विधायक जी एक कार्यक्रम मे पहुंचे और यहां मंडल अध्यक्ष भी थे और संगठन के पदाधिकारी भी थे। बताते हैं कि मंडल अध्यक्ष को विधायक जी इस बात की नसीहत दे रहे थे कि अभियान की कमान ठीक से संभालो। लेकिन विधायक जी की नसीहत मंडल अध्यक्ष को ठीक नहीं लगी। सूत्र बताते हैं कि मंडल अध्यक्ष विधायक जी पर ही नाराज होने लगे। सभी देख रहे थे कि काम की बात है, लेकिन यहां फिर इस बात की भी शिकायत हुई कि मंडल अध्यक्ष फोन नहीं उठाते हैं। मंडल अध्यक्ष ने तर्क दिया कि मैं बीमार हूं। विधायक जी ने कहा कि बाकी सब ठीक है लेकिन कम से कम तुम्हे विधायक का फोन तो उठाना चाहिए। लेकिन जो लोग इस घटना को देख रहे थे उनका कहना था कि मंडल अध्यक्ष का लहजा भी बदल रहा था और फिर सीन आगे बढ़ता उससे पहले ही संगठन के एक प्रमुख पदाधिकारी बीच में आ गये। संगठन के इस प्रमुख चेहरे ने एक तरह से बीच में आकर पूरे मामलेको शांत कराया। हालाकि अभी तक इस पूरे घटनाक्रम का हॉट टॉक वाला वीडियो सामने नहीं आया है। आज की सूचना क्रांति के दौर में कोई ना कोई वीडियो जरूर बना लेता है। लेकिन दैनिक करंट क्राइम के सूत्र वहीं मौके पर मौजूद थे और पूरी घटना की अपडेट मिली है। हालाकि ये भी हो सकता है कि वीडिया बनाया हो और वायरल ना हुआ हो। बहरहाल मंडल अध्यक्ष के तेवरों को देखकर सब हैरान थे। कहने वाले यही कह रहेहै कि एसआईआर अभियान को लेकर भाजपा में इन दिनों गहमा गहमी का उफान आया हुआ है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि डाटा वाले अभियान में घाटा हो ही गया है, और अब सब पूरी ताकत से लगे हुए है। जब तनाव बढ़ता है तो लहजों मं भी थोड़ा बदलाव आ जाता है। भाजपा एक बड़ा राजनीतिक दल और राजनीतिक परिवार भी है। विधायक जी भी बड़े दिल वाले हैं और बड़े दिल से राजनीति करते है, लेकिन फिर भी गहमा गहमी तो हो ही गयी और किस्सा पूरी भाजपा में गूंज रहा है।

बज गयी है देहात में जिला पंचायत चुनाव वाली जंग की रणभेरी
जिला पंचायत के वार्ड 5 में रहेगी इस बार रोचक जंग

महिला आरक्षित वार्ड संख्या 5 में क्या उतरेंगे इस बार भी पुराने चेहरे या रहेंगे नये फेस

करंट क्राइम। वार्ड संख्या 5 मुरादनगर ब्लॉक का वार्ड है। ये वार्ड महिला आरक्षित वार्ड है और मौजूदा समय में यहां विकास यादव की पत्नी मीनू यादव जिला पंचायत सदस्य हैं। ये वार्ड महिला आरक्षित वार्ड में था और यहां से कई चेहरे मैदान में उतरे थे। यहां पर प्रमुख चेहरों में मुरादनगर विधायक अजितपाल त्यागी की भाभी और गिरीश त्यागी की पत्नी रश्मि त्यागी भी चुनाव लड़ी थीं। इसके अलावा यहां से किसान नेता सतेन्द्र त्यागी की पत्नी भी जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ी थीं। रोचक जंग रही थी। यहां से सपा को जीत मिली थी और अब जब चुनाव की बिसात बिछ गयी है तो परिसीमन के बाद वार्ड में वोटों का समीकरण भी प्रभावित हुआ है। मौजूदा जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र में एक्टिव हैं और चुनाव की तैयारी हैं वहीं यहां पर ये देखना रोचक रहेगा कि इस वार्ड से पुराने चेहरों में कौन कौन चुनाव के लिए आयेगा और कौन कौन चुनाव में नयी एंट्री लेगा। समय के साथ साथ यहां चुनाव रोचक मोड में आ जायेगा।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। देहात का चुनावी रण गर्मी के मौसम में आ जायेगा। इस रण के संभावित रंग अभी से दिखाई देने लगे हें। जिला पंचायत का ये चुनाव आम तौर पर सिम्बल पर नहीं लड़ा जाता है लेकिन यहां समर्थन वाला सीन रहता है। राजनीतिक दल इस वाले चुनाव में भलाई बुराई के डर से दूर रहते हैं, मगर चुनाव तो चुनाव है और इसमें सियासी चेहरे ही सामने आते हें। गाजियाबाद के जिला पंचायत रण की बात करें तो यहां 11 वार्ड रह गये हैं। पहले ये 14 वार्ड हुआ करते थे। लेकिन परिसीमन के बाद यहां 3 वार्ड घटे हें। इनमें मुरादनगर के कुछ गांव परिसीमन के बाद जिला पंचायत की परिधी से बाहर हो गये हैं। लोनी में भी काफी क्षेत्र परिसीमन के बाद हट गया है और मोदीनगर में भी परिसीमन हुआ है। इसके बाद से यहां 3 वार्ड घट गये हैं। नये परिसीमन पर चुनाव होना है। जिला पंचायत की चुनाव तैयारी देहात में शुरू हो चुकी है। अगर देहात क्षेत्र की तरफ जाते हैं तो होर्डिंग पर ये संभावित दावेदार दिखाई देने लगे हैं। गांव में जनता के सेवक, सुख दुख के भागिदार, आपके बेटे आपके भाई होर्डिंगों पर लटके नजर आ रहे हैं। हालाकि सूत्र बताते हैं कि मई और जून से पहले चुनाव नहीं होने वाला है। लेकिन जिन्हें चुनाव लड़ना है वो ये मानकर चल रहे हैं कि मई और जून में अब समय ही कितना रह गया है। वो अपने चुनाव को पूरी तरह से धार दे रहे हें। देहातों में राजनीतिक गतिविधि बढ़ गयी है। दैनिक करंट क्राइम जिला पंचायत चुनाव की इस पूरी जंग पर निगाह रख रहा है, कौन से वार्ड में इस बार कौन सा चेहरा हावी रहेगा, जंग कितनी रोचक रहेगी। इसको लेकर दैनिक करंट क्राइम लगातार अपडेट देगा। इस कड़ी में आज बात वार्ड संख्या 5 की होगी। परिसीमन के बाद अब वार्ड संख्या 5 हो गया था। वार्ड संख्या 5 परिसीमन से पहले वार्ड संख्या 6 होता था।

यूजीसी गाइडलाइंस नहीं, असली विवाद आरक्षण को लेकर छुपा असंतोष है : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। यूजीसी की नई गाइड लाइंस को लेकर मैने दो पोस्ट लिखीं थी। पहली पोस्ट में मैने यूजीसी की गाइड लाइंस को दोष पूर्ण बताया था और दूसरी पोस्ट में मैने नई गाइड लाइंस का जो गजट नोटिफिकेशन हुआ है उसे साझा करते हुए लिखा था कि ये उतनी डराने वाली नहीं हैं जितना डराया जा रहा है। पहली पोस्ट लिखने से पहले मैने नई गाइड लाइंस को पढ़ा नहीं था। मेरे एक मित्र जिनके बारे में मेरी बहुत अच्छी राय है, उनके विचारों और एक वरिष्ठ यूट्यूबर के विचार सुनकर उन्होंने विरोध के जो कारण बताए थे, उन्हें सुनकर मेरी जो राय बनी वह मैने अपनी पहली पोस्ट में लिख दी। फिर मुझे लगा कि इसकी वास्तविकता तो जानी जाय तो मैने अपने एक पत्रकार मित्र से गजट नोटिफिकेशन मंगाया और उसको पढ़ा। पढ़ने के बाद मुझे लगा कि ये नियम उतने डराने वाले नहीं हैं जितना डराया जा रहा है। उसमें मैने केवल इतना ही कहा कि मुझे अपनी पोस्ट से पहले इन्हें पढ़ना चाहिए था। मैने उस पोस्ट में ऐसा कुछ भी नहीं कहा जिससे नई गाइड लाइंस को एक दम सही ठहराया गया हो। या उनका पूर्णतः समर्थन किया गया हो। मैने कहा कि जिस संसदीय समिति ने इनका अनुमोदन किया है उनमें 31 सदस्यों में 17 सवर्ण थे और दूसरी बात ये कही कि समता समिति में दस में केवल तीन आरक्षित वर्ग से रखने की अनिवार्यता है।

पहली राय बिना गजट पढ़े बनी थी

पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने स्वीकार किया कि यूजीसी की नई गाइडलाइंस पर शुरूआती प्रतिक्रिया अधूरी जानकारी और दूसरों के विचारों के आधार पर थी।

गजट पढ़ने के बाद स्पष्ट हुआ कि डर बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया

वास्तविक दस्तावेज पढ़ने के बाद यह निष्कर्ष निकला कि गाइडलाइंस में चिंता है, लेकिन उतनी नहीं जितनी सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही है।

विरोध का बड़ा हिस्सा आरक्षण-विरोधी मानसिकता से प्रेरित

यूजीसी गाइडलाइंस का विरोध कर रहे अनेक लोग मूल रूप से आरक्षण के विरोधी हैं और इन्हें विरोध का एक अवसर मिल गया है।

आरक्षण संवेदनशील विषय है, लेकिन सामाजिक जरूरत भी

आरक्षण पर बहस संभव है—क्रीमिलेयर, अवधि और लाभ की सीमा जैसे मुद्दों पर—लेकिन इसे पूरी तरह नकारना न व्यावहारिक है न नैतिक।

यूजीसी गाइडलाइंस को राजनीतिक हथियार बनाना अनुचित

आरक्षण-विरोध के लिए यूजीसी की नई गाइडलाइंस को इस्तेमाल कर किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति को निशाना बनाना नैतिकता के विपरीत है।

सोशल मीडिया और समाचार पत्रों को पढ़कर अब मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि यूजीसी की नई गाइड लाइंस के विरोध करने वाले अधिकतर लोग आरक्षण विरोधी भी हैं। आरक्षण के विरोधी होने के कारण इन नई गाइड लाइंस ने छुपे तौर पर इन्हें विरोध का एक मुद्दा थमा दिया है। आरक्षण एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। यह बिजली के नंगे तार की तरह से है, जो इसे छुएगा उसे करंट लगेगा। इसलिए अधिकतर लोग सीधे तौर पर तो आरक्षण का विरोध नहीं करते लेकिन आरक्षण विरोध के कारण हाथ आए किसी अवसर को नहीं छोड़ते। आरक्षण न दिये जाने के पक्ष में बहुत सारे तर्क और तथ्य भी हैं। लेकिन आरक्षण के समर्थन में भी कुछ तर्कों के साथ साथ मानवीय पक्ष है। भारतीय जीवन मूल्यों में छुपी दया,उदारता और भ्रातृत्व का भाव है। जब देश का संविधान बना और अनुसूचित जाति और जनजातियों को आरक्षण दिया गया उस समय में संविधान सभा में सवर्णो का बहुमत था लेकिन देश में फूट के बीजों से बचाने के लिए उसे स्वीकार किया गया। जब पिछड़ों को आरक्षण दिया गया तब तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह जी ने चाहे वोट के लिए लागू किया लेकिन ये भी सच्चाई है कि उस समय भी समाज का एक बड़ा वर्ग अपने मौलिक अधिकारों से वंचित था। और विकास की दौड़ में सर्व समाज की हिस्सेदारी के लिए उस वर्ग को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए उसका समर्थन हुआ।

आरक्षण कब तक रहे? कैसे अंतिम व्यक्ति तक आरक्षण का लाभ पहुंचे? क्रीमिलेयर का निर्धारण और क्रियान्वयन कैसे हो? ऐसे कई मुद्दे हैं जिन पर बहस हो सकती है, होनी भी चाहिए। लेकिन आरक्षण समय की आवश्यकता थी, है और अभी रहेगी। मैं इसके समर्थन में भी बहुत सारे तर्क दे सकता हूँ। लेकिन पोस्ट की एक सीमा है।

जो ज्ञानी मेरी दो दिन पुरानी पोस्ट पर ज्ञान बांट रहे हैं, वे अगर अपने आरक्षण के विरोध को अलग रख कर पोस्ट को पढ़ेंगे तो उन्हें मेरा कथन सही परिपेक्ष्य में समझ आयेगा कि उसमें डर तो है लेकिन इतना नहीं है जितना डराया जा रहा है। क्या ये सच्चाई नहीं है कि देश में एक भी राजनैतिक दल चाहे राष्ट्रीय हों या क्षेत्रीय हों कोई आरक्षण को समाप्त करने की घोषणा नहीं कर सकते।

उल्टे तमिलनाडु, जैसे राज्य भी हैं जिनमें आरक्षण 85% तक है। कुछ लोग योजनाबद्ध यूजीसी की नई गाइड लाइंस को हथियार बना कर मोदी और उसकी पार्टी को घायल करने का प्रयास कर रहे हैं। नैतिकता इस में है कि आरक्षण के विरोध के लिए किसी कंधे की तलाश न करें।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया 9वीं बार देश का बजट

'विकसित भारत 2047' के विजन को नई गति देने वाला बजट

कैंसर से जुड़ी 17 दवाइयां होंगी सस्ती

इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं

एविएशन कंपोनेंट और पार्ट्स पर कस्टम ड्यूटी से छूट का प्रस्ताव

31 जुलाई तक रिटर्न दाखिल करने की डेडलाइन

तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान खुलेंगे

पूर्वी भारत में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने का प्लान

हर जिले में बनाए जाएंगे गर्ल्स हॉस्टल

महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना शुरू करने का प्लान

नई दिल्ली। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत हर वित्त वर्ष की शुरूआत से पहले सरकार संसद में केंद्रीय बजट पेश करती है। बजट किसी वित्त वर्ष में होने वाली सरकार की आमदनी और खर्चों से जुड़ा दस्तावेज है। 1 फरवरी 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार रिकॉर्ड नौवीं बार केंद्रीय बजट 2026-27 पेश कर रहीं हैं। यह बजट न केवल सरकार की प्रस्तावित कमाई और खर्चों का वार्षिक लेखा-जोखा है, बल्कि वैश्विक चुनौतियों के बीच 'विकसित भारत 2047' के विजन को नई गति देने वाला एक अहम दस्तावेज भी है।

सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 लॉन्च किया जाएगा

7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाने का प्लान, दिल्ली-वाराणसी भी शामिल

4000 ई-बस चलाने की योजना

आत्मनिर्भर भारत पर सरकार का फोकस - निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। 1 फरवरी, 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में अपना 9वां लगातार बजट पेश किया। इस साल का बजट कई मायनों में ऐतिहासिक रहा–न केवल इसलिए कि यह पहली बार रविवार को पेश किया गया, बल्कि इसलिए भी क्योंकि इसमें 'कर्तव्य' और 'विकास' के तालमेल पर जोर दिया गया है। 53.5 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय वाला यह बजट भारत को 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के रोडमैप को और मजबूत करता है।

1. राजकोषीय अनुशासन और आर्थिक मजबूती : सरकार ने विकास की गति को तेज करने के साथ-साथ वित्तीय स्थिरता पर भी ध्यान केंद्रित किया है। पूंजीगत व्यय : बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए कैपेक्स लक्ष्य को 9% बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। राजकोषीय घाटा : इसे पिछले वर्ष के 4.4% से घटाकर 4.3% रहने का अनुमान लगाया गया है।कर प्राप्तिः शुद्ध कर प्राप्तियां लगभग 28.7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जो देश की बढ़ती आर्थिक क्षमता को दर्शाता है।

2. कर प्रणाली: नया आयकर अधिनियम 2025 : करदाताओं के लिए इस बजट की सबसे बड़ी घोषणा 'नया आयकर अधिनियम, 2025' है, जो 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा।स्लैब में बदलावः व्यक्तिगत आयकर स्लैब में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन नियमों को सरल बनाने पर जोर दिया गया है। टीसीएस में राहतः विदेशी टूर पैकेज पर लगने वाले टीसीएस को 5-20% की सीमा से घटाकर फ्लैट 2% कर दिया गया है।रिटर्न की समय सीमाः आयकर रिटर्न संशोधित करने की अवधि को 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च कर दिया गया है।

3. 'युवा शक्ति' और शिक्षा पर बड़ा निवेश : युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु शिक्षा और कौशल विकास के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं।गर्ल्स हॉस्टलः महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए देश के हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल बनाने की घोषणा की गई है। एआई और तकनीकः शिक्षा क्षेत्र के लिए 500 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एआई' की स्थापना की जाएगी। कंटेंट क्रिएटर लैबः 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में 'कंटेंट क्रिएटर लैब' बनाई जाएंगी ताकि युवाओं को डिजिटल इकोनॉमी से जोड़ा जा सके।

4. बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी : रेलवे और लॉजिस्टिक्स को आधुनिक बनाने के लिए सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं।हाई-स्पीड रेलः मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद और हैदराबाद-बेंगलुरु जैसे 7 नए हाई-स्पीड पैसेंजर कॉरिडोर बनाने की योजना है।फ्रेट कॉरिडोरः पूर्व में दानकुनी से पश्चिम में सूरत तक एक समर्पित फ्रेट कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा।भारतनेटः ग्रामीण क्षेत्रों के माध्यमिक स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाएगी।

5. विनिर्माण और एमएसएमई का सशक्तिकरण' मेक इन इंडिया' को अगले स्तर पर ले जाने के लिए रणनीतिक क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया है। सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्सः सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए आईएसएम 2.0 लॉन्च किया गया है और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए 40,000 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। रेयर अर्थ कॉरिडोरः ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में विशेष कॉरिडोर बनाए जाएंगे ताकि महत्वपूर्ण खनिजों के लिए चीन पर निर्भरता कम हो सके। एमएसएमई सपोर्टः चैंपियन एमएसएमई विकसित करने के लिए 10,000 करोड़ रुपए का फंड और 'सेल्फ रिलायंस इंडिया फंड' में 4,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त पूंजी डाली गई है।

6. ऊर्जा और पर्यावरण न्यूक्लियर मिशनः 2047 तक 100 जीडब्ल्यू परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य रखा गया है। इलेक्ट्रिक बसेंः प्रदूषण कम करने के लिए शहरों में 4000 नई ई-बसें चलाई जाएंगी।

बजट में क्या सस्ता-क्या महंगा?

क्या होगा सस्ता

- समुद्री खाद्य उत्पादों की प्रोसेसिंग के लिए शुल्क मुक्त आयात की सीमा बढ़ाई गई है। यह सस्ते होंगे। इसके जरिए मछलीपालन उद्योग से जुड़े लोगों को राहत मिलेगी।
- जूतों के ऊपरी हिस्सों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इनके शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दी गई है। यानी विदेश भेजे जाने वाले जूतों की निर्माण लागत कम होगी। इससे देश में बिकने वाले जूते भी सस्ते होंगे।
- चमड़े और वस्त्र परिधानों के निर्यात में व्यापारियों की सहायता करने के लिए इनके कच्चे माल के आयात पर छूट की समयसीमा एक साल बढ़ाई गई है। भारत में इनकी कीमत जस-की-तस बनी रहेगी।
- लिथियम आयन सेल विनिर्माण में प्रयोग होने वाली वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट दी जाएगी। इससे लिथियम आयन तकनीक से संचालित होने वाली बैटरी देश में सस्ती होंगी। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) के क्षेत्र को मदद मिलेगी और यह सस्ते हो सकते हैं।
- सोडियम एंटीमोनेट के आयात शुल्क पर मूल सीमा शुल्क में छूट। इसका इस्तेमाल टेलीविजन ट्यूब्स के फाइनिंग और ऑप्टिकल ग्लास में किया जाता है। साथ ही दमकल उपकरणों में इनका प्रयोग होता है। यानी टीवी-शीशे की बनी चीजें और दमकल उपकरण सस्ते हो सकते हैं।
- न्यूक्लियर परियोजनाओं के लिए जरूरी वस्तुओं के आयात पर छूट जारी रहेगी।
- अहम खनिजों की प्रोसेसिंग के लिए जरूरी वस्तुओं के आयात पर छूट मिलेगी। इससे सेमीकंडक्टर क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा खनन और इसका प्रसंस्करण सस्ता होगा।
- बायोगैस मिश्रित सीएनजी पर केंद्रीय सीमा शुल्क की गणना में बायोगैस के मूल्य पर छूट मिलेगी। यह सस्ती होगी।
- एयरक्राफ्ट विनिर्माण के घटकों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में छूट का प्रस्ताव। भारत में विमान बनाना सस्ता होगा। मेक इन इंडिया को प्रोत्साहन मिलेगा।
- तेंदुपत्ता पर 'स्रोत पर कर संग्रह' (टीसीएस) को पांच फीसदी से घटाकर दो प्रतिशत किया गया। यह सस्ते होंगे।
- शिक्षा और चिकित्सा जरूरतों के लिए रेमिटेंस (भेजे जाने वाली रकम) पर टीसीएस को पांच प्रतिशत से दो प्रतिशत पर लाने का प्रस्ताव। इन जरूरतों के लिए विदेश से 10 लाख रुपये तक का लेन-देन सस्ता होगा। बाकी जरूरतों पर 20 फीसदी टीसीएस लगता रहेगा।
- रक्षा क्षेत्र के विमानों के पुर्जे के लिए आयातित कच्चे माल पर मूल सीमा शुल्क में छूट। भारत में रक्षा उपकरण बनाना भी सस्ता होगा। विदेशी कंपनियां भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग बढ़ा कर आत्मनिर्भर भारत पर जोर दे सकेंगी।
- माइक्रोवेव ओवन के निर्माण में इस्तेमाल पुर्जों के मूल सीमा शुल्क में छूट। यह सस्ते होंगे।
- निजी उपयोग के लिए आयातित सभी शुल्क योग्य वस्तुओं पर टैरिफ घटकर 10 फीसदी होगा। यह सभी सस्ते होंगे।
- कैंसर रोगियों के लिए 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में छूट। 7 अन्य गभीर रोगों की दवाओं के लिए निजी आयात शुल्क में छूट। यह सभी सस्ती होंगी।
- 10 लाख रुपये तक के पर्यटन पैकेज टीसीएस पांच फीसदी से दो फीसदी पर लाने का प्रस्ताव। यह सस्ता होगा। 10 लाख रुपये से ऊपर के टूर पैकेज पर 20 फीसदी का टीसीएस लागू रहेगा।

क्या होगा महंगा?

- शराब के लिए इस्तेमाल होने वाले एल्कोहल पर 'स्रोत पर कर संग्रह' (टीसीएस) एक फीसदी से बढ़ाकर दो प्रतिशत किया गया। यानी शराब महंगी होगी।
- कबाड़ पर भी टीसीएस को एक प्रतिशत से दो प्रतिशत किया गया। यानी कबाड़ महंगा होगा।
- खनिजों, खासकर कोयले और लौह अयस्कों पर टीसीएस को एक प्रतिशत से दो प्रतिशत किया गया। यह महंगे होंगे।
- आयकर की गलत जानकारी देने पर टैक्स की राशि का 100% जुमार्ने का प्रावधान।
- चल संपत्ति का खुलासा न करने पर जुमार्ना लगेगा।
- स्टॉक ऑप्शन्स और फ्यूचर ट्रेडिंग महंगी होंगी।

बायोफार्मा सेक्टर को 40 हजार करोड़ रुपये का आवंटन

पिछले एक दशक के प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबी से ऊपर उठे

अचल विदेशी संपत्ति न घोषित करने पर अब नहीं लगेगा

ओडिशा, आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में खनिज कॉरिडोर बनाने का प्लान

15 हजार स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स का ऐलान

पाकिस्तान के होश होंगे फाख्ता !

रक्षा बजट का खामोशी से एलान

नई दिल्ली। साल 2026 के रक्षा बजट में कुल 15 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। रक्षा मंत्रालय के लिए वर्ष 2026-27 के लिए 78 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। यह आवंटन अगले वित्तीय वर्ष के अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का दो फीसदी है और वित्त वर्ष 2025-26 के बजटीय अनुमानों (बीई) की तुलना में 15.19% की महत्वपूर्ण बढोतरी है। कुल रक्षा बजट केंद्र सरकार के व्यय का 14.67% है, जो सभी मंत्रालयों में सबसे अधिक है। वहीं रक्षा बलों के आधुनिकीकरण के लिए 21 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। अपने बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि असैनिक, प्रशिक्षण एवं अन्य विमानों के निर्माण के लिए आवश्यक कलपुर्जों पर मूलभूत सीमाशुल्क में छूट दी जाएगी। जबकि रक्षा क्षेत्र की ईकाइयों द्वारा रख-रखाव, मरम्मत अथवा अन्य आवश्यकताओं में इस्तेमाल किए जाने वाले विमान के पुर्जों के निर्माण के लिए आयात किए जाने वाले कच्चे माल पर मूलभूत सीमाशुल्क में छूट दी जाएगी। पिछले साल मई महीने में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला बजट है। इस बजट में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सामने आईं कमियों को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। वहीं रक्षा बलों को कैपिटल आउटले बजट के तहत आधुनिकीकरण के लिए 2.19 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे।

सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और उनकी सामान्य जरूरतों को फाइनेंस करने के अलावा, यह काफी बढ़ा हुआ आवंटन ऑपरेशन सिंदूर के बाद कैपिटल और रेवेन्यू दोनों कैटेगरी में हथियारों और गोला-बारूद की इमरजेंसी खरीद से होने वाली फाइनेंशियल जरूरतों को भी पूरा करेगा। रक्षा बजट का एक बड़ा हिस्सा, जो 2.19 लाख करोड़ रुपए है, कैपिटल खर्च के लिए आवंटित किया गया है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट अनुमानों में 1.80 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे।

बजट के बाद शेयर बाजार में हाहाकार

सेंसेक्स में 1600 अंकों की गिरावट

नई दिल्ली। वित्त मंत्री ने बजट भाषण के दौरान फ्यूचर्स और ऑप्शंस ट्रेडिंग पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स बढ़ाने का एलान किया। इससे शेयर बाजार में जोरदार बिकवाली देखने को मिली और सेंसेक्स व निफ्टी में तेज गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1546.84 अंक या 1.88 प्रतिशत गिरकर 80,722.94 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 495.20 अंक या 1.96 प्रतिशत गिरकर 24,825.45 अंक पर आ गया।

कार्यालय सेनानायक टास्क फोर्स 47 पीएसी गाजियाबाद।

फोन/फैक्स-0120-2767021, सीयूजी-919454400373, ई-मेल-compac47@nic.in, वेब-uppolice.up.nic.in

पत्रांक: न-95/2015 दिनांकः-जनवरी 30 2026

नीलामी सूचना/निविदा सूचना

47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद के निष्प्रयोज्य हो चुके स्पेलर की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 17.02.2026 के पर्वान्ह समय 11:00 बजे होगी। इच्छुक ठेकेदार नियत दिनांक 17.02.2026 में वाहिनी में उपस्थित होकर नीलामी की कार्यवाही में भाग ले सकते हैं। नीलामी से सम्बन्धित दिशा-निर्देश वाहिनी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किये जा सकते है।

पत्रांकः- न-95/2015

दिनांक :- जनवरी, 30 2026

(चारू निगम)
सेनानायक
47वीं वाहिनी पीएसी
गाजियाबाद।

कार्यालयः नगर पालिका परिषद खोड़ा-मकनपुर गाजियाबाद।

पत्रांकः 110/न0पा0प0खो0/ई-निविदा/2026 दिनांकः 31 जनवरी 2026

ई प्रोक्योरमेन्ट/ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद खोड़ा-मकनपुर हेतु निकाय क्षेत्र में जलापूर्ति हेतु Distribution network, 01 Nos Tubewell's Pump House & Pumping Plant in ward no-07 पाईप लाईन बिछाने के कार्य हेतु ई-निविदा की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर दिये गये नियम व शर्तो के अनुसार निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं। निविदा अभिलेख एवं शर्तो वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर दिनांकः 02.02.2026 की प्रातः 10:00 बजे से 23.02.2026 के दोपहर 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें। जहां से इन्हें डाउनलोड किया जा सकता है। सभी निविदादाता दिनांकः 23.02.2026 के दोपहर 12:00 बजे तक वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर ऑनलाइन अपनी निविदा दर/दरें डाल सकते है। टैण्डर एवं उससे सम्बन्धित शर्ते जिले की वेबसाइट www.ghaziabad.nic.in पर भी देखी जा सकती हैं।

E-Tender Reference	Ltr.No-109/न0पा0परि0खो0/ई-निविदा/2026दिनांकः3/जनवरी 2026
Publish and Time for RFP	02.02.2026 को प्रातः 10:00 बजे
Last Date and time for submission of E-Tender	23.02.2026 को मध्यान्ह 12:00 बजे
Date and time of Opening Tender	23.02.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे
Place of Opening of E-Tender	Office Nagar Palika Parishad Khora-Makanpur, Dist. Ghaziabad
E-Tender Document Processing	As per Tender list.

(नवनीत गुप्ता) अवर अभियन्ता (जल)
(डॉ शैलेन्द्र कुमार सिंह) अधिशासी अधिकारी
(मोहिनी शर्मा) अध्यक्ष

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

करंट क्राइम
ट्वीट का कट

बजट 2026-27 को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आईं

विकास, अधोसंरचना और स्थानीय निकायों को मजबूती देने वाला बताया गया बजट

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर जनपद के अधिकांश जनप्रतिनिधियों ने इसे विकासोन्मुख और व्यावहारिक बजट बताया है। शहरी अधोसंरचना, ग्रामीण विकास, कनेक्टिविटी और स्थानीय निकायों की भूमिका को लेकर बजट में किए गए प्रावधानों को जमीनी जरूरतों के अनुरूप माना जा रहा है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि बजट में विकास की स्पष्ट दिशा दिखाई देती है और इससे नगरों तथा गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को गति मिलेगी।

साथ ही कुछ प्रतिनिधियों ने यह भी संकेत दिया है कि योजनाओं का प्रभाव तभी दिखेगा जब क्रियान्वयन मजबूत होगा। कुल मिलाकर बजट को लेकर समर्थन की स्वर अधिक हैं और इसे क्षेत्रीय विकास के लिए एक सकारात्मक अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

एमएसएमई, स्टार्टअप और युवाओं के लिए अवसरों का बजट : सतेंद्र सिसोदिया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया ने कहा कि इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें एमएसएमई, स्टार्टअप और विनिर्माण क्षेत्र को केंद्र में रखा गया है। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, स्वरोजगार को बल मिलेगा और युवाओं के लिए स्थायी रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह बजट आत्मनिर्भर भारत की सोच को जमीन पर उतारने वाला है।

जनकल्याण और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित बजट : नरेंद्र कश्यप

करंट क्राइम। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने केंद्रीय बजट 2026-27 को विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने वाला दूरदर्शी और जनकल्याणकारी बताया। उन्होंने कहा कि बजट में कनेक्टिविटी, विनिर्माण क्षमता और क्षेत्रीय संतुलन पर विशेष ध्यान दिया गया है। आत्मनिर्भर भारत – विकसित भारत के तहत घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन, ऊर्जा सुरक्षा, रोजगार सृजन, कृषि उत्पादकता तथा शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि दिव्यांगजन कौशल योजना के माध्यम से कार्योन्मुख प्रशिक्षण और दिव्यांग सहारा योजना के अंतर्गत सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।

ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू उत्पादन बढ़ाने की ठोस रणनीति : सुनील शर्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि बजट में ऊर्जा सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और घरेलू उत्पादन को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। इससे आयात पर निर्भरता कम होगी और देश की औद्योगिक क्षमता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि यह बजट आने वाले वर्षों में भारत को ऊर्जा और विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की ठोस आधारशिला रखता है।

कौशल, शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश भविष्य की तैयारी : दिनेश गोयल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एमएलसी दिनेश गोयल ने कहा कि बजट में कौशल विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य पर किया गया निवेश आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत आधार तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल वर्तमान की जरूरतों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के दीर्घकालिक भविष्य की तैयारी है।

बजट 2026-27 देश को विकसित भारत की दिशा में निर्णायक मोड़ देगा : अतुल गर्ग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित भारत की स्पष्ट कार्ययोजना है। उन्होंने कहा कि बजट में पूंजीगत व्यय, इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और औद्योगिक निवेश पर जो फोकस किया गया है, वह देश की आर्थिक गति को लंबे समय तक बनाए रखेगा। सड़क, रेल, लॉजिस्टिक्स और शहरी अधोसंरचना में निवेश से रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे और क्षेत्रीय विकास को मजबूती मिलेगी।

शहरी अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं को नई गति : सुनीता दयाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मेयर सुनीता दयाल ने कहा कि बजट में शहरी परिवहन, आवास, स्वच्छता और आधारभूत सेवाओं पर दिया गया ध्यान शहरों के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इससे नगर निकायों को योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में मजबूती मिलेगी। सड़क, रेल, लॉजिस्टिक्स और शहरी अधोसंरचना में निवेश से रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे और क्षेत्रीय विकास को मजबूती मिलेगी।

मध्यम वर्ग, शिक्षा और स्वास्थ्य को राहत देने वाला बजट : संजीव शर्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि यह बजट आम नागरिक और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। शिक्षा और स्वास्थ्य पर बढ़ा हुआ खर्च मानव संसाधन को सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि बजट का लाभ सीधे आम परिवारों की जीवन गुणवत्ता में सुधार के रूप में दिखाई देगा।

कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसान हितों पर मजबूत फोकस : अजीत पाल त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि बजट में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, भंडारण, सिंचाई और ग्रामीण अधोसंरचना पर विशेष ध्यान दिया गया है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और गांवों की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह बजट ग्रामीण भारत को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाला है।

समावेशी विकास और वंचित वर्गों के लिए ठोस प्रावधान : नंद किशोर गुर्जर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विधायक नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि बजट में गरीब, किसान, श्रमिक और वंचित वर्गों को केंद्र में रखा गया है। यह बजट समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की भावना को दर्शाता है।

आधुनिक भारत की जरूरतों को पूरा करता है यह बजट : अशु वर्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पूर्व मेयर अशु वर्मा ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट आधुनिक भारत की सोच और आवश्यकताओं के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि विश्व में तेजी से बढ़ती तकनीक के साथ देश कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ सके, इसका इस बजट में विशेष ध्यान रखा गया है। अशु वर्मा ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में पिछले बजट की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक धनराशि का आवंटन किया गया है, जो देश की सीमाओं को और अधिक मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम बताया।

विकसित भारत का व्यावहारिक रोडमैप पेश करता बजट : प्रवीण चौधरी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने कहा कि यह बजट केवल घोषणाओं का नहीं, बल्कि विकसित भारत के लक्ष्य का व्यावहारिक रोडमैप है, जो संगठन और समाज—दोनों के लिए स्पष्ट दिशा तय करता है।

पिछड़े क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने का बजट : धर्मेश तोमर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विधायक धर्मेश तोमर ने कहा कि बजट में क्षेत्रीय असंतुलन दूर करने के प्रयास किए गए हैं। इससे पिछड़े इलाकों को भी समान विकास के अवसर मिलेंगे।

विकास और राजकोषीय अनुशासन का संतुलन : अनिल अग्रवाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने कहा कि यह बजट विकास की गति बनाए रखते हुए राजकोषीय संतुलन का भी ध्यान रखता है। उन्होंने कहा कि पूंजीगत निवेश के साथ आर्थिक स्थिरता बनाए रखना इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

स्थानीय निकायों के विकास को गति देगा बजट : विभु बंसल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पिलखुवा नगर पालिका चेयरमैन विभु बंसल ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में शहरी अधोसंरचना, कनेक्टिविटी और बुनियादी सुविधाओं पर दिया गया ध्यान स्थानीय निकायों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सड़क, स्वच्छता, पेयजल और नागरिक सुविधाओं से जुड़े प्रावधानों से नगर पालिकाओं को विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। यह बजट शहरी क्षेत्रों में सुविधाओं के विस्तार और रोजगार सृजन में सहायक सिद्ध होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त करने वाला बजट : ममता त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में ग्रामीण विकास और कृषि से जुड़े क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सड़कों, पेयजल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए किए गए प्रावधान गांवों के जीवन स्तर में सुधार लाएंगे। यह बजट पंचायतों को मजबूत कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला है।

विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता की स्पष्ट दिशा तय करता है बजट : रामावतार जिंदल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा नेता रामावतार जिंदल ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 देश को दीर्घकालिक विकास की मजबूत नींव देने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि इस बजट में बुनियादी ढांचे, उद्योग और कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देकर भारत की आर्थिक क्षमता को नई गति देने का प्रयास किया गया है। रामावतार जिंदल ने कहा कि घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा, रोजगार के नए अवसर, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और शिक्षा-स्वास्थ्य क्षेत्रों पर फोकस यह दर्शाता है कि सरकार केवल वर्तमान नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर काम कर रही है।

देश को विकसित व आत्मनिर्भर बनाने वाला समावेशी बजट : सरदार एस पी सिंह

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा पेश बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अल्पसंख्यक आयोग उ०प्र० के पूर्व सदस्य व पूर्व महानगर संयोजक सरदार एस पी सिंह ने बजट को देश को विकसित व आत्मनिर्भर बनाने वाला समावेशी व प्रगतिशील करार देते हुए कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित बनाने के संकल्प को पूरा करेगा।

नागरिक सुरक्षा और अधोसंरचना को मजबूती देता बजट : ललित जायसवाल

करंट क्राइम। केंद्रीय बजट 2026-27 में अधोसंरचना और कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दिया गया है। इससे शहरी सेवाएं और आपदा प्रबंधन व्यवस्था मजबूत होगी। नागरिक सुरक्षा से जुड़े संसाधनों को बेहतर आधार मिलेगा। शहरों की कार्यक्षमता बढ़ेगी। यह सुरक्षित और सशक्त भारत की दिशा में कदम है।

'उद्योग, कृषि, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित बजट' : विजय मोहन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पूर्व अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, गाजियाबाद विजय मोहन ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट युवा शक्ति और देश के समग्र विकास को समर्पित है। उन्होंने कहा कि बजट के अंतर्गत आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को मजबूती देने के लिए उद्योग और कृषि क्षेत्र को विशेष रूप से बढ़ावा दिया गया है। विजय मोहन ने कहा कि पहली बार बजट में गरीबों पर स्पष्ट फोकस देखने को मिला है और भारतीय पद्धतियों पर विश्वास व्यक्त किया गया है। चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में आयुर्वेदिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देकर मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में अहम पहल की गई है, जो भारत की वैश्विक पहचान को और मजबूत करेगी।

क्षेत्रीय संतुलन को मजबूती – सुरेंद्र नागर

करंट क्राइम। बजट में क्षेत्रीय विकास पर जोर दिया गया है। पिछड़े क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। इंफ्रास्ट्रक्चर को बल मिलेगा। निवेश बढ़ेगा। यह समान विकास का बजट है।

विकास और आर्थिक अनुशासन का संतुलन : प्रशांत चौधरी

करंट क्राइम। बजट में पूंजीगत व्यय के साथ वित्तीय अनुशासन रखा गया है। इससे अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती मिलेगी। निवेश का भरोसा बढ़ेगा। विकास की गति बनी रहेगी। यह स्थिर और दूरदर्शी बजट है।

आम नागरिक के जीवन स्तर को सुधारने वाला बजट : पवन गोयल

करंट क्राइम। शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं पर फोकस किया गया है। इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। सार्वजनिक सेवाएं मजबूत होंगी। जीवन स्तर में सुधार आएगा। यह जनकल्याणकारी बजट है।

उद्योग और विनिर्माण को आत्मनिर्भरता की ताकत : संजीव गुप्ता

करंट क्राइम। बजट में विनिर्माण और उद्योगों को प्रोत्साहन दिया गया है। इससे घरेलू उत्पादन बढ़ेगा। रोजगार के अवसर सृजित होंगे। निवेश का माहौल बेहतर होगा। यह आत्मनिर्भर भारत की सोच को मजबूत करता है।

व्यापार और निवेश के लिए सकारात्मक संकेत : अनिल अग्रवाल सांवरिया

करंट क्राइम। बजट व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है। आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। उद्योगों को विस्तार मिलेगा। रोजगार सृजन को बल मिलेगा। यह विकासोन्मुख बजट है।

स्थानीय निकायों को सशक्त करने वाला बजट : हिमांशु लव

करंट क्राइम। बजट से स्थानीय विकास कार्यों को गति मिलेगी। शहरी सुविधाओं में सुधार होगा। नगर निकायों की भूमिका मजबूत होगी। जनसुविधाएं बढ़ेंगी। यह जमीनी स्तर पर असर दिखाने वाला बजट है।

युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार : नितिन मावी

करंट क्राइम। बजट में कौशल विकास और रोजगार पर फोकस है। युवाओं को नए अवसर मिलेंगे। स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। भविष्य की तैयारी मजबूत होगी। यह युवा हितैषी बजट है।

विकास की स्पष्ट दिशा तय करता बजट : गुंजन शर्मा

करंट क्राइम। बजट की प्राथमिकताएं साफ दिखाई देती हैं। आत्मनिर्भरता और विकास पर जोर है। सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की सोच है। योजनाएं व्यावहारिक हैं। यह भरोसे का बजट है।

समावेशी विकास की भावना को बल – बॉबी त्यागी

करंट क्राइम। बजट समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखकर बनाया गया है। विकास का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंचेगा। सामाजिक संतुलन बना रहेगा। रोजगार और सुविधाएं बढ़ेंगी। यह संतुलित बजट है।

शहरी विकास और रोजगार सृजन को नई गति : मयंक गोयल

करंट क्राइम। बजट में शहरी अधोसंरचना और उद्योगों पर निवेश बढ़ाया गया है। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। कनेक्टिविटी से शहरों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। नागरिक सुविधाएं बेहतर होंगी। यह संतुलित शहरी विकास का बजट है।

व्यापार और एमएसएमई को मजबूती – अजय गुप्ता

करंट क्राइम। बजट में व्यापार और एमएसएमई के लिए सकारात्मक प्रावधान हैं। छोटे उद्योगों को राहत मिलेगी। निवेश बढ़ेगा। रोजगार सृजन तेज होगा। यह व्यापार हितैषी बजट है।

महिलाओं और सामाजिक सशक्तीकरण पर फोकस – रणिता सिंह

करंट क्राइम। बजट में समावेशी विकास की सोच स्पष्ट है। महिलाओं की भागीदारी को बल मिलेगा। सामाजिक योजनाएं मजबूत होंगी। समान अवसर बढ़ेंगे। यह संवेदनशील बजट है।

क्षेत्रीय विकास को नई गति देने वाला बजट – राजू पंचाल

करंट क्राइम। बजट में कनेक्टिविटी और अधोसंरचना पर फोकस सराहनीय है। इससे क्षेत्रीय विकास को मजबूती मिलेगी। स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। रोजगार के नए अवसर बनेंगे। यह क्षेत्र-हितैषी बजट है।

नगर निकायों के लिए व्यावहारिक और उपयोगी बजट – सरदार सिंह भाटी

करंट क्राइम। बजट में शहरी सुविधाओं और निकायों पर ध्यान दिया गया है। सड़क, सफाई और बुनियादी सेवाएं बेहतर होंगी। स्थानीय स्तर पर विकास कार्य तेज होंगे। नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। यह जमीनी बजट है।

नीतिगत स्थिरता और भरोसे का दस्तावेज – सुरेश कुमार कश्यप

करंट क्राइम। बजट विकास और स्थिरता का संतुलन प्रस्तुत करता है। निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती मिलेगी। नीतियां स्पष्ट और व्यावहारिक हैं। यह भरोसेमंद बजट है।

खादी और स्थानीय उद्योगों को नई ऊर्जा – वेद प्रकाश गर्ग

करंट क्राइम। बजट में स्वदेशी और स्थानीय उद्योगों पर फोकस है। खादी और कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा। यह स्वदेशी सोच वाला बजट है।

अनुभव और विकास का संतुलित रोडमैप दिखाता बजट – राम नरेश रावत

करंट क्राइम। केंद्रीय बजट 2026-27 में विकास के साथ आर्थिक अनुशासन स्पष्ट दिखता है। पूंजीगत निवेश से अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को समान अवसर मिलेंगे। रोजगार सृजन को गति मिलेगी। यह दूरदर्शी और भरोसेमंद बजट है।

किसान और ग्रामीण भारत को केंद्र में रखता बजट : राजा वर्मा

करंट क्राइम। बजट में कृषि, सिंचाई और ग्रामीण अधोसंरचना पर फोकस सराहनीय है। इससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। ग्रामीण रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। गांवों से पलायन रुकेगा। यह किसान हितैषी और आत्मनिर्भरता बढ़ाने वाला बजट है।

संगठनात्मक मजबूती और विकास का तालमेल – अजय शर्मा

करंट क्राइम। बजट में शहरी विकास की स्पष्ट योजना दिखती है। अधोसंरचना को नई रफ्तार मिलेगी। नगरों की कार्यक्षमता बढ़ेगी। रोजगार सृजन होगा। यह प्रगतिशील बजट है।

संगठन और शासन—दोनों को सशक्त करता बजट – गोपाल अग्रवाल

करंट क्राइम। बजट में विकास की स्पष्ट रणनीति दिखाई देती है। नीतियों का लाभ जमीन तक पहुंचेगा। संगठनात्मक कार्यों को मजबूती मिलेगी। रोजगार और निवेश बढ़ेगा। यह व्यावहारिक बजट है।

मंडल स्तर तक विकास पहुंचाने की सोच – संदीप त्यागी

करंट क्राइम। बजट से मंडल स्तर पर विकास कार्य तेज होंगे। बुनियादी सुविधाएं बेहतर होंगी। स्थानीय समस्याओं का समाधान होगा। रोजगार के अवसर बनेंगे। यह प्रभावी बजट है।

शहरी सेवाओं को मजबूत करने वाला बजट – सचिन डागर

करंट क्राइम। बजट में शहरी अधोसंरचना पर फोकस है। सड़क, जल और स्वच्छता सेवाएं सुधरेंगी। नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। शहर अधिक सक्षम बनेंगे। यह शहर-हितैषी बजट है।

कार्यकर्ताओं के लिए भरोसा और दिशा – ओमदत्त कौशिक

करंट क्राइम। बजट में विकास की दिशा स्पष्ट है। कार्यकर्ताओं में विश्वास बढ़ेगा। स्थानीय स्तर पर काम तेज होगा। रोजगार सृजन को बल मिलेगा। यह प्रेरक बजट है।

संपादकीय

हिमाचल की बजटीय पीड़ा

फैसलों की केंद्रीय गुलामी का दस्तूर यह कि हिमाचल का अपना बजट साहसिक नहीं हो पाता। एक और केंद्र सरकार का बजट हमारे मोहल्ले को बता रहा है कि जागते रहो। कुछ ऐसे दौर हिमाचल की वर्तमान सत्ता के तीन सालों से गुजरे कि राजस्व घाटे की ग्रांट दस हजार से घट कर 3200 करोड़ पहुंच गई और गारंटियां निभाती राज्य सरकार के वित्तीय हाथ ओपीएस निभाते-निभाते छिल गए। जीएसटी का मायावी चेहरा भी राहत का पैगाम लूट कर ले गया। ऐसे में फिर वही घड़ी आ गई जो हर साल को बजट की पैरवी से बांध देती है। केंद्रीय बजट के हवाले से पर्वतीय परिवेश की अमानत का मसौदा पुन: फरियाद कर रहा है। केंद्रीय योजनाओं में पहले ही मनरेगा के पंख टूट चुके हैं, जबकि बाकी संदर्भों की आढ़त में राजनीतिक समीकरण गुंथे गए हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री की हालिया दिल्ली यात्रा कई मंत्रालयों की कुंडी खडका चुकी है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिल्ली में सजे हिमाचल के सांसदों से सजग पैरवी की उम्मीद की जा सकती है। हिमाचल के ख्वाबों में रंग भरती फोरलेन परियोजनाओं, रेलवे विस्तार की पटरियों और कांगड़ा एयरपोर्ट की वास्तविकता को अगर केंद्र का सहारा मिले, तो यह पहाड़ी राज्य आत्मनिर्भरता के ढांचे में और पसीना बहा सकता है। कनेक्टिविटी के आधार पर अगर एक पैकेज मिल जाए, तो ऊना रेल के समानांतर कांगड़ा घाटी रेल या अंब-अंदौरा से निकल कर ट्रेन ज्वालाजी-कांगड़ा पहुंच सकती है। आत्मनिर्भरता में चिन्हित हिमाचल के प्रयासों को केंद्र का सहारा मिल जाए, तो हिमालय से निकलता पानी, भविष्य में आर्थिकी का समुद्र बन सकता है। अभी वाटर सैस के मुहाने पर केंद्र की अड़चनें हिमाचल को जीने नहीं दे रही हैं। केंद्र सरकार के उपक्रम हिमाचल से बिजली की पैदावार बढ़ा कर प्रदेश का आर्थिक संबल चुरा रहे हैं। कुछ इसी तरह शानन परियोजना का अवैध संचालन पंजाब में हमारा हक छुपा रहा है। केंद्र हमेशा डबल इंजन सरकार बनकर सोचेगा, तो हमारे हिस्से की आपदा हमीं को नोच डालेगी। अभी यूरोपीय यूनियन से हुए व्यापार समझौतों के बाद, सेब पर घट रहा आयात शुल्क हिमाचल की बागबानी को चोट ही करेगा। पचास फीसदी आयात शुल्क से घट कर सेब आयात पर अगर अब बीस फीसदी दर से ही अदायगी होती है, तो बाजार की रौनक हिमाचली सेब को रौंद देगी। हैं ज्यादतियां बहुत मगर, सियासत के लिए यह भी एक खेल है। बेशक आशाएं निकलतीं। इस बार भी भारत निर्माण के हर सुनहरे लम्हे से हिमाचल अपनी सदियां गुजारने का विश्वास रखेगा, मगर पर्वत की पीड़ा को बस पीड़ा का ही अंजाम मिलता है। मसलन हिमाचल में अगर रोपवे परियोजनाओं, पर्यटन विकास योजनाओं तथा जल, जंगल और जमीन के सही-सही इस्तेमाल को केंद्र का कंधा मिल जाए, तो यह राज्य स्वतंत्र फैसलों से अपना भविष्य लिख सकता है। यह दीगर है कि प्रदेश को चादर देखकर पांव पसारने की जरूरत है तथा अनावश्यक खर्चों से पीछे हटना होगा, फिर भी पहाड़ की बुनियाद को केंद्र की ताकतवर नीतियों, उदार आर्थिक सहयोग तथा इंफ्रास्ट्रक्चरल इनीशिएटिव की जरूरत है।

केंद्रीय बजट 2026-27 में जनगणना 2027 के लिए 6,000 करोड़ का प्रावधान

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2026-27 में जनगणना 2027 के लिए 6,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। कोविड-19 के कारण छह साल की देरी के बाद यह जनगणना 1 अप्रैल 2027 से शुरू होगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 के बजट में जनगणना 2027 के लिए 6,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। यह राशि पिछले साल के 1,040 करोड़ रुपये से छह गुना अधिक है। यह ऐतिहासिक जनगणना 2027 की प्रक्रिया कोविड-19 महामारी के कारण हुई देरी के बाद 1 अप्रैल 2027 से शुरू होगी। जनगणना भारत में प्रत्येक दस साल में होने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो देश की जनसंख्या, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों का आंकलन करती है। इसे 2021 में आयोजित किया जाना था, लेकिन महामारी के कारण यह एक साल के लिए स्थगित हो गई थी।

बजट में 6,000 करोड़ रुपये का बड़ा आवंटन

केंद्रीय बजट 2026-27 के तहत, 6,000 करोड़ रुपये का आवंटन भारत सरकार ने रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त कार्यालय और अन्य संबंधित योजनाओं के लिए किया है। इसमें राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर और जनगणना 2027 पर होने वाले खर्चों को कवर किया जाएगा। इस बजट के मुताबिक, जनगणना 2027 का संदर्भ तारीख 1 अक्तूबर 2026 के लिए निर्धारित की गई है, जो कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्रों के लिए लागू होगी। शेष भारत में यह 1 मार्च 2027 से लागू होगी।

30 लाख कर्मचारी करेंगे डेटा संग्रहण

यह विशाल जनगणना कार्य लगभग 30 लाख एनुमेरेटर और पर्यवेक्षकों द्वारा किया जाएगा, जो डिजिटल डिवाइस का उपयोग करके डेटा एकत्र करेंगे। इस बार, जनगणना दो चरणों में होगी।

पहला चरण, हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन होगा, जिसमें प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाएं एकत्र की जाएंगी। दूसरे चरण, जनसंख्या जनगणना में प्रत्येक व्यक्ति का सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक डेटा एकत्र किया जाएगा। यह कार्य 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा।

जाति जनगणना को लेकर बड़ा कदम

इस बार जनगणना के दौरान जाति जनगणना भी की जाएगी। गृह मंत्रालय ने हाल ही में इसकी घोषणा की थी कि जाति जनगणना दूसरे चरण में, जनसंख्या जनगणना के साथ ही की जाएगी। जनगणना 2027 में पहली बार पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी, और स्व-एनुमेरेशन का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा। इसके तहत नागरिक अपनी जानकारी खुद भर सकते हैं। यह प्रक्रिया 30 दिनों तक चलेगी, जो कि अप्रैल 1 से सितंबर 30, 2026 के बीच होगी। इस बार हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन के दौरान 33 सवालों का जवाब नागरिकों से लिया जाएगा, जो कि जनगणना के पहले चरण का हिस्सा होंगे। यह 30 दिनों के निर्धारित समय में पूरा किया जाएगा।

बजट 2026-27: खाद्य, उर्वरक और ईंधन सब्सिडी में 4.47% कटौती

नई दिल्ली। वित्तीय वर्ष 2026-27 में खाद्य, उर्वरक और ईंधन पर सरकार का कुल सब्सिडी खर्च 4.47 फीसदी घटकर 4.10 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। खाद्य, उर्वरक और ईंधन पर सरकार का सालाना सब्सिडी व्यय 2026-27 के वित्तीय वर्ष में 4.47 फीसदी कम होकर 4,10,495 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। केंद्रीय बजट 2026-27 के मुताबिक, मौजूदा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए खाद्य, उर्वरक और ईंधन पर संशोधित सब्सिडी अनुमानित 4,29,735 करोड़ रुपये है।

खाद्य सब्सिडी में हल्की कटौती का अनुमान

अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले अगले वित्तीय वर्ष में खाद्य सब्सिडी का अनुमान 2,27,629 करोड़ रुपये लगाया गया है, जो चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान 2,28,154 करोड़ रुपये से कम है। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना पर सबसे ज्यादा खर्च खाद्य सब्सिडी का बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत खर्च होता है, जिसके अंतर्गत सरकार 81 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराती है।

उर्वरक सब्सिडी भी घटने का अनुमान दूसरा बड़ा खर्च उर्वरक सब्सिडी पर होता है, जिसे अगले वित्त वर्ष के लिए 1,70,805 करोड़ रुपये आंका गया है, जबकि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इसका संशोधित अनुमान 1,86,460 करोड़ रुपये है।

यूरिया और गैर-यूरिया उर्वरकों पर कितना व्यय का अनुमान?

वित्तीय वर्ष 2027 में कुल उर्वरक सब्सिडी में से यूरिया पर 1,16,805 करोड़ रुपये और गैर-यूरिया उर्वरकों पर 54 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

जीएसटी संग्रह जनवरी में 6.2% बढ़कर 1.93 लाख करोड़ के पार, आयात से बढ़ी कमाई

नई दिल्ली। जनवरी में जीएसटी कलेक्शन 6.2% बढ़कर 1.93 लाख करोड़ हुआ, जिसमें आयात से आय में तेज बढ़ोतरी रही। दरों में कटौती और सेस का दायरा सीमित होने से राजस्व पर असर दिखा, फिर भी आयात से मजबूत वसूली ने कुल संग्रह को सहारा दिया।

जनवरी में सकल जीएसटी संग्रह 6.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1.93 लाख करोड़ से अधिक पहुंच गया। सूत्रों के मुताबिक, इस बढ़ोतरी में आयात से प्राप्त राजस्व की अहम भूमिका रही। इस दौरान कुल रिफंड 3.1 प्रतिशत घटकर 22,665 करोड़ रह गया। वहीं, शुद्ध राजस्व 7.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ लगभग1.71 लाख करोड़ दर्ज किया गया।

जनवरी में तंबाकू उत्पादों से मिलने वाला सेस संग्रह 5,768 करोड़ रहा। इसकी तुलना में पिछले साल जनवरी में यह आंकड़ा 13,009 करोड़ था, जब लग्जरी, सिन और डिमेरिट वस्तुओं जैसे कार और तंबाकू पर सेस लगाया जाता था। 22 सितंबर 2025 से करीब 375 वस्तुओं पर ऋ्रळ दरों में कटौती की गई।

बजट पर खुली बहस की चुनौती: निर्मला सीतारमण ने राहुल गांधी से कहा-तथ्य हों तो करें डिबेट

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बजट को लेकर बहस की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सिर्फ राजनीति की वजह से बजट की आलोचना कर रहे हैं। अगर उनके पास कोई फैक्ट है तो मैं उनके साथ डिबेट करने के लिए तैयार हूं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार, 1 फरवरी 2026 को वित्त वर्ष 2026झ27 का आम बजट संसद में पेश किया। करीब 85 मिनट लंबे अपने बजट भाषण में उन्होंने सरकार की कई बड़ी योजनाओं का एलान किया। बजट में चुनावी राज्यों का भी खास ख्याल रखा गया है। बजट सत्र में हिस्सा लेने के बाद कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बजट की आलोचना की। नेता प्रतिपक्ष की इस आलोचना पर जब केंद्रीय वित्त मंत्री से सवाल किया गया, तो उन्होंने राहुल गांधी को बजट पर खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि बजट का विरोध करना उनकी राजनीतिक मजबूरी है।

क्या कहा था राहुल गांधी ने?

बजट सत्र में हिस्सा लेने के बाद राहुल गांधी ने मीडिया को तुरंत कोई भी बाइट देने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं बजट को लेकर सोमवार को संसद में बोलूंगा। हालांकि इसके कुछ देर बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि देश में युवा बेरोजगार है, मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में लगातार गिरावट हो रही है, निवेशकों अपना पैसा निकाल रहे हैं, घरेलू बचत में भारी कमी हो रही है, किसान संकट में हैं, वैश्विक संकटों की आशंका लगातार बनी हुई है। इस बजट में इन सबकी अनदेखी की गई है। यह एक ऐसा बजट है जो सुधार करने से इनकार करता है, भारत के वास्तविक संकटों से अनभिज्ञ है।

'मैं सुनने और जवाब देने के लिए तैयार'

वहीं, जब राहुल गांधी के इस ट्वीट पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि वे किस सुधार की बात कर रहे हैं। अर्थव्यवस्था और उसके बुनियादी सिद्धांत मजबूत हैं। वैश्विक अनिश्चितता हमारे कई क्षेत्रों को प्रभावित कर रही है, जिनके लिए हमने लघु एवं मध्यम उद्यमों, वस्त्र उद्योग, चमड़ा उद्योग, ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों, किसानों, मूल्यवर्धन, महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता उद्यमियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इन तरीकों से हम आम लोगों तक पहुंच रहे हैं ताकि बाहरी अस्थिरता के कारण उनके जीवन में कोई बड़ा बदलाव न आए। राजनीतिक रूप से, अगर आप आलोचना करना चाहते हैं, तो आप कर सकते हैं। लेकिन अगर आप मुझे अपने तर्क के आधार पर तथ्य देना चाहते हैं, तो मैं सुनने और जवाब देने के लिए तैयार हूं।'

बजट 2026 से एविएशन सेक्टर को राहत की उम्मीद बुनियादी ढांचे का दर्जा और नए हवाईअड्डों की घोषणा संभव

नई दिल्ली। पिछला साल एविएशन सेक्टर के लिए चुनौतीपूर्ण रहा, जहां तकनीकी खामी और परिचालन संबंधी संकटों के कारण उड्डयन सेक्टर परेशानियों से जूझता रहा। बजट में उम्मीद की जा रही है कि सरकार एविएशन सेक्टर का बुनियादी ढांचे का दर्जा बहाल कर सकती है।

देश के आसमान में उड़ानों की रफ्तार बढ़ाने के लिए आगामी आम बजट में नागरिक उड्डयन क्षेत्र को बड़ी सौगातें मिल सकती हैं। पिछला साल इस क्षेत्र के लिए चुनौतीपूर्ण रहा, जहां तकनीकी खामियों और परिचालन संबंधी संकटों ने यात्रियों को परेशान किया। अब सरकार का पूरा ध्यान इन बाधाओं को दूर कर घरेलू विमानन बाजार को नई ऊंचाई देने पर है। माना जा रहा है कि इस बार बजट में न केवल आवंटन बढ़ेगा, बल्कि इस पूरे क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा देने की पुरानी मांग भी पूरी हो सकती है। इससे विमानन कंपनियों को बैंकों से आसान और सस्ता कर्ज मिल सकेगा।

400 हवाई अड्डों का खाका : केंद्र देश में हवाईअड्डों का जाल बिछाने की तैयारी में है। मौजूदा 164 हवाईअड्डों की संख्या को साल 2047 तक 400 तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। इसी दिशा में बजट में 10 नए हवाईअड्डों की घोषणा संभव है। नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने भी संकेत दिए हैं कि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों पर भीड़ कम करने के लिए उनके आसपास के 150 किमी के दायरे में छोटे हवाई अड्डे विकसित किए जाएंगे। बजट का एक बड़ा हिस्सा स्वदेशी विमान निर्माण और शोध पर केंद्रित रह सकता है।

रोचक तथ्यों का करंट

- अजेर्टीना में एक व्यक्ति ने 7000 पेड़ों को इस आकार में उगाया जैसे एक गिटार हो। इसे उसने अपनी पत्नी को गिफ्ट दिया है।
- साओ पालो में 110 एकड़ का एक ऐसा आइलैंड है, जहां 4000 सांप रहते हैं। दुनिया का सबसे खतरनाक आइलैंड माना जाता है।
- दुनिया में 85% लोग सोने से पहले वो सब सोचते हैं, जो वो अपने जीवन में करना चाहते हैं।
- एक माँ अपने बच्चे के वजन का तकरीबन सही अंदाजा लगा सकती है, जबकि पिता उसकी लंबाई का।
- यदि एक चींटी का आकार एक आदमी के बराबर हो, तो वो कार से दोगुनी तेजी से दौड़ेगी।
- आपका दिमाग एक भी चेहरा अपने आप नहीं बना सकता, आप जो भी चेहरे सपनों में देखते हैं वो जीवन में कभी न कभी आपके द्वारा देखे जा चुके होते हैं।
- खुश रहने वाले लोगों की तुलना में परेशान रहने वाले लोग ज्यादा पैसे खर्च करते हैं।
- आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे, हमारे शरीर में इतना लोहा होता है कि उससे 1 इंच लंबी कील बनाई जा सकती है।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक ? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

टीचर : पप्पू, तुम क्लास में ध्यान क्यों नहीं देते?
पप्पू : मैडम, ध्यान तो देता हूँङ्घ
टीचर : फिर समझ क्यों नहीं आता?
पप्पू : ध्यान वाई फाई पर है, नेटवर्क कमजोर है!

पत्नी : सुनो जी, तुम मुझसे कितना प्यार करते हो?
पति : बहुत ज्यादा!
पत्नी : फिर दिखाते क्यों नहीं?
पति : प्यार दिखाने से पहले हिम्मत चाहिए!

दोस्त : भाई, आजकल जल्दी सो जाता है?
गोलू : हाँ यार।
दोस्त : क्यों?
गोलू : सपनों में भी जिंदगी मुझसे आगे निकल रही है!

मरीज : डॉक्टर साहब, मुझे हर काम में आलस आता है।
डॉक्टर : ये कब से है?
मरीज : जब से काम मिला है।
डॉक्टर : समस्या समझ गया!

02 02 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं — आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

शमिता सेट्टी (अभिनेत्री)

आरव शर्मा, अविनाश सचान, ममता सिंह, प्रमीला, संगीता मिश्रा, स्तुति भूषण, दीपक सिरोही (पत्रकार), नवीन गौतम, नंदलाल चावला, ईश्वर मावी, सुरेश शर्मा, देवेन्द्र सिंह, मनीश त्यागी, नंदलाल वर्मा, प्रवेज खान, पुश्पेन्द्र शुक्ला, देवकी नंदन, राजीव नरोका, शाकीब अलि, श्रवण यादव, मोहित मिश्रा, राम मनोहर, रवि गुप्ता, शोभित कुमार

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार) 8630290003 (विष्णु गुप्ता)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

संजू सैमसन भारतीय प्लेइंग-11 से होंगे बाहर

अभिषेक के साथ ईशान किशन होंगे ओपनर : सुनील गावस्कर

मुंबई। न्यूजीलैंड के खिलाफ ईशान किशन की शतकीय पारी और सुनील गावस्कर की स्पष्ट टिप्पणी ने टी20 वर्ल्ड कप प्लेइंग इलेवन को लेकर तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। संजू सैमसन के लिए यह एक और ठहराव हो सकता है, जबकि ईशान किशन के लिए यह प्रदर्शन टीम में स्थाई जगह की ओर इशारा करता है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तिरुवनंतपुरम में खेले गए टी-20 सीरीज के आखिरी मुकाबले ने सिर्फ रिकॉर्ड ही नहीं दिए, बल्कि टी20 वर्ल्ड कप प्लेइंग इलेवन को लेकर चल रही सबसे बड़ी बहस पर भी लगभग विराम लगा दिया। यह बहस थी- संजू सैमसन या ईशान किशन? और इस पर भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बेहद साफ शब्दों में अपनी राय रख दी।

ईशान किशन का शतक और चयन की तस्वीर साफ

ईशान किशन का न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाया गया पहला टी20

अंतरराष्ट्रीय शतक (103 रन) सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं था, बल्कि यह चयन समिति और टीम मैनेजमेंट के लिए एक टाइम पर आया बयान साबित हुआ। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवर में 271/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया और ओपनिंग स्लॉट को लेकर चल रही असमंजस की स्थिति काफी हद तक खत्म हो गई।

संजू सैमसन के आंकड़े बने चिंता की वजह: वहीं दूसरी ओर, संजू सैमसन के लिए यह सीरीज निराशाजनक रही। पांच मैचों में सिर्फ 46 रन, कोई बड़ी पारी नहीं और लगातार आत्मविश्वास की कमी साफ नजर आई। हालात तब और स्पष्ट हो गए जब आखिरी मैच में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी ईशान किशन को सौंप दी गई। वर्ल्ड कप वर्ष में ऐसे बदलाव अक्सर प्रयोग नहीं, बल्कि संकेत माने जाते हैं।

ईशान किशनः भरोसे पर खरे उतरे

ईशान किशन ने पूरी सीरीज में 215 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वे सिर्फ सूर्यकुमार यादव से पीछे रहे। सबसे अहम बात यह रही कि उन्होंने वही भूमिका निभाई जिसकी भारत को वैश्विक टी20 टूर्नामेंट में जरूरत होती है और वह है तेज शुरूआत।

तिलक वर्मा की वापसी और टीम को संतुलन

तिलक वर्मा की वापसी से भारतीय टीम को मिडिल ऑर्डर में संतुलन और लचीलापन मिलेगा। इससे ईशान किशन को ओपनिंग में पूरी आजादी मिलेगी, बिना टीम संरचना से समझौता किए। यही वह स्थिरता है जिसकी तलाश टीमें वर्ल्ड कप से पहले करती हैं।

सुनील गावस्कर का साफ संदेश

स्टार स्पोर्ट्स पर कमेंट्री के दौरान सुनील गावस्कर ने चयन को लेकर दो टूक बात कही। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है चयन समिति ने संजू सैमसन को पूरे मौके दिए, लेकिन अब ईशान किशन की इस पारी के बाद और तिलक वर्मा की वापसी की संभावना को देखते हुए बल्लेबाजी क्रम लगभग तय नजर आता है।'

मैच के बाद गावस्कर ने और भी स्पष्ट शब्दों में अपनी बात रखी। इस दिग्गज ने कहा, 'सैमसन को बाहर करना मुश्किल जरूर है, लेकिन किसके लिए? तिलक वर्मा इस स्तर पर साबित खिलाड़ी हैं।

'खेलो इंडिया मिशन' के साथ खेल सेक्टर को बड़ा बूस्ट, नई प्रतिभाओं को बढ़ावा देने पर रहा जोर

नई दिल्ली। आज पेश हुए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खेल क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए खेलकूद के सामानों के लिए एक नई पहल का प्रस्ताव रखा। इस कदम से उच्च गुणवत्ता वाले स्पोर्ट्स गुड्स के घरेलू निर्माण, मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा और खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज संसद में पेश किए जा रहे आम बजट में खेल क्षेत्र को मजबूती देने की दिशा में अहम पहल का एलान किया है। बजट भाषण के दौरान उन्होंने खेलकूद के सामानों के निर्माण और गुणवत्ता सुधार के लिए एक नई पहल का प्रस्ताव रखा। इस कदम को भारत में खेल उद्योग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए बड़ा प्रोत्साहन माना जा रहा है।

सीतारमण ने साथ ही बजट भाषण के दौरान 'खेलो इंडिया मिशन' की घोषणा करते हुए कहा कि यह मिशन अगले एक दशक में भारत के खेल क्षेत्र को पूरी तरह ट्रांसफॉर्म करेगा। सरकार का लक्ष्य केवल खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि पूरे स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को मजबूत करना है। इस साल एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन होगा, जिसे देखते हुए यह बजट महत्वपूर्ण है।

खेलो इंडिया मिशन पांच स्तंभों पर आधारित होगा

सीतारमण ने कहा, 'खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और नौकरियों के अनेक अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से शुरू किए गए खेल प्रतिभाओं के व्यवस्थित पोषण को आगे बढ़ाते हुए, मैं खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं।' सीतारमण ने कहा, 'खेलो इंडिया मिशन अगले दस वर्षों में खेल क्षेत्र को बदलने का काम करेगा।

इसके तहत प्रतिभा विकास से लेकर ढांचे और तकनीक तक, हर स्तर पर एक समग्र व्यवस्था बनाई जाएगी।' उन्होंने बताया कि खेलो इंडिया मिशन को पांच प्रमुख चरणों में लागू किया जाएगा, ताकि जमीनी स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक खिलाड़ियों को एक मजबूत और निरंतर विकास मार्ग मिल सके।

1. इंटीग्रेटेड टैलेंट डेवलपमेंट पाथवे
इस मिशन के तहत प्रशिक्षण केंद्रों का नेटवर्क तैयार किया जाएगा, जो तीन स्तरों पर काम करेंगे-
फाउंडेशन लेवल (शुरुआती प्रतिभाओं के लिए), इंटरमीडिएट लेवल (उभरते खिलाड़ियों के लिए), एलीट लेवल (राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए), इस व्यवस्था से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान जल्दी होगी और उन्हें सही समय पर सही प्रशिक्षण मिल सकेगा।

2. कोच और सपोर्ट स्टाफ का व्यवस्थित विकास
सरकार ने माना है कि अच्छे खिलाड़ियों के पीछे अच्छे कोच और सपोर्ट स्टाफ सबसे बड़ी ताकत होते हैं। खेलो इंडिया मिशन के तहत कोच, फिटनेस ट्रेनर, फिजियोथेरेपिस्ट और अन्य सपोर्ट स्टाफ को सिस्टेमैटिक और आधुनिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार मार्गदर्शन मिल सके।

3. स्पोर्ट्स साइंस और टेक्नोलॉजी का एकीकरण
आधुनिक खेल अब सिर्फ मेहनत नहीं, बल्कि डेटा, साइंस और टेक्नोलॉजी पर भी आधारित हैं। इस मिशन में स्पोर्ट्स साइंस, एनालिटिक्स, रिकवरी टेक्निक्स और नई तकनीकों को प्रशिक्षण प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा, जिससे खिलाड़ियों का प्रदर्शन और करियर दोनों सुरक्षित रह सकें।

4. प्रतियोगिताएं और लीग्सः खेल संस्कृति को बढ़ावा
खेलो इंडिया मिशन के तहत नियमित प्रतियोगिताएं और लीग्स आयोजित की जाएंगी। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मैच प्रैक्टिस, पहचान और प्रोफेशनल प्लेटफॉर्म देना है, ताकि भारत में एक मजबूत खेल संस्कृति विकसित हो सके।

5. खेल ढांचे का विकास
सरकार प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के लिए खेल ढांचे को विकसित करेगी। इसमें आधुनिक स्टेडियम, प्रशिक्षण सुविधाएं, हॉस्टल और सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल होंगे, जिससे खिलाड़ी देश में ही विश्वस्तरीय तैयारी कर सकें।

खेल उद्योग के लिए नई पहल

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में खेलों की बढ़ती लोकप्रियता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए खेलकूद के उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों का घरेलू उत्पादन समय की मांग है।

उन्होंने बजट में इस दिशा में स्पष्ट संकेत देते हुए कहा कि सरकार खेल सामग्री के निर्माण से जुड़े उद्योगों को तकनीकी, प्रशिक्षण और गुणवत्ता मानकों के स्तर पर समर्थन देगी। निर्मला सीतारमण ने अपने भाषण में कहा, 'भारत में उच्च गुणवत्ता और किफायती खेलकूद सामानों का वैश्विक केंद्र बनने की पूरी क्षमता है। मैं खेलकूद के सामानों के लिए एक समर्पित पहल का प्रस्ताव करती हूं, जो इनके निर्माण, उपकरणों के डिजाइन में अनुसंधान और नवाचार के साथ-साथ मटेरियल साइंस को भी बढ़ावा देगी।' सरकार की यह पहल सिर्फ खिलाड़ियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे मेक इन इंडिया को भी मजबूती मिलेगी।

सेमीफाइनल की जंग! पाकिस्तान के लिए करो या मरो वाली स्थिति

भारत से हारे तो लाहौर की टिकट पक्की

बुलवायो। भारत और पाकिस्तान के बीच सुपर सिक्स मुकाबला अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 का सबसे निर्णायक मैच बन गया है। भारत जीत या मामूली हार के बावजूद सेमीफाइनल में पहुंच सकता है, जबकि पाकिस्तान को क्वालीफाई करने के लिए बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। आईसीसी ने पूरे समीकरण को साफ कर दिया है और अब सबकी नजरें इस हाई-वोल्टेज मुकाबले पर टिकी हैं।

आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला सुपर सिक्स मुकाबला सिर्फ एक पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता नहीं, बल्कि सेमीफाइनल का आखिरी टिकट तय करने वाला मैच बन गया है। जिम्बाब्वे में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में अब तक ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड सेमीफाइनल में जगह बना चुके हैं, जबकि चौथे स्थान के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी टक्कर है।

पॉइंट्स टेबल का पूरा समीकरण: आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप के ग्रुप-2 सुपर सिक्स की स्थिति पर नजर डालें तो-

इंग्लैंड आठ अंकों और +1.757 नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है।

भारत छह अंक और +3.337 के मजबूत नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, पाकिस्तान चार अंक और +1.484 नेट रन रेट के साथ तीसरे पायदान पर मौजूद है।

भारत जीता तो सीधा सेमीफाइनल: अगर भारत पाकिस्तान को हरा देता है, तो टीम इंडिया न सिर्फ सेमीफाइनल में जगह पक्की कर लेगी, बल्कि ग्रुप-दो में शीर्ष स्थान पर भी पहुंच जाएगी।

ऐसी स्थिति में भारत का सेमीफाइनल मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। मौजूदा फॉर्म और नेट रन रेट को देखते हुए भारत इस मैच में फेवरेट माना जा रहा है।

हार से पाकिस्तान के लिए मुश्किल रास्ता

दिलचस्प बात यह है कि भारत अगर मामूली अंतर से हार भी जाता है, तब भी उसका नेट रन रेट पाकिस्तान से बेहतर रहेगा और टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी।

आईसीसी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सेमीफाइनल का पूरा गणित साफ कर दिया है। आईसीसी के मुताबिक, 'अगर पाकिस्तान पहले बल्लेबाजी करता है, तो उसे भारत को 105 रन या उससे ज्यादा के अंतर से हराना होगा, तभी वह ग्रुप-दो में दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंच पाएगा।' आईसीसी ने रन चेज को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की है। आईसीसी के मुताबिक, 'अगर पाकिस्तान लक्ष्य का पीछा करता है और मान लीजिए भारत 250 रन बनाता है, तो पाकिस्तान को 251 रन 29.4 ओवर या उससे कम में बनाने होंगे। लक्ष्य कम होने पर उन्हें और तेज गति से रन बनाने होंगे।'

एशिया कप की बड़ी हार और 'नो हैंडशेक' नीति: बता दें कि भारत को पिछले साल अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन की करारी हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, उसी टूर्नामेंट के ग्रुप मैच में भारत ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया था। भारत उस हार का बदला लेने उतरेगा और पाकिस्तान को बाहर करना चाहेगा। इसके अलावा, पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के 'नो हैंडशेक' रुख के जारी रहने की भी संभावना जताई जा रही है।

आखिरी मैच में लगे 36 छक्के, दूसरा सर्वाधिक अर्शदीप-बुमराह चर्चा में, किस मामले में बने सबसे महंगे

त्रिवेंद्रम। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तिरुवनंतपुरम में खेले गए पांचवें टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में क्रिकेट इतिहास के कई बड़े रिकॉर्ड बने। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 271/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 225 रन ही बना सकी। भारत ने यह मुकाबला 46 रनों से जीत लिया। इस मैच में छक्कों की बारिश, बड़े व्यक्तिगत स्कोर और गेंदबाजों के महंगे स्पेल चर्चा का केंद्र रहे।

36 छक्केः टी-20 इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ाः इस मुकाबले में कुल 36 छक्के लगे, जो टी-20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। दर्शकों को लगातार छक्के देखने को मिले और गेंदबाजों पर जबरदस्त दबाव बना रहा। टेस्ट प्लेइंग देशों के बीच खेले गए टी20 मैच में यह सबसे ज्यादा है।

सबसे ज्यादा छक्के वाले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच

मैच	स्थान	साल	छक्के
बुल्गारिया VS जिब्राल्टर	सोफिया	2025	41
भारत VS न्यूजीलैंड	तिरुवनंतपुरम	2026	36
वेस्टइंडीज VS दक्षिण अफ्रीका	सेंचुरियन	2023	35
वेस्टइंडीज VS इंग्लैंड	सेंट जॉर्ज	2023	34

517 के करीब कुल स्कोरः हाईएस्ट एग्रीगेट में दूसरा स्थान

भारत और न्यूजीलैंड ने मिलकर कुल 496 रन बनाए, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा मैच एग्रीगेट है। इससे पहले केवल एक मैच में इससे ज्यादा रन बने हैं।

अर्शदीप सिंह ने पांच विकेट जरूर झटके, लेकिन उन्होंने 51 रन भी लुटाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास का सबसे महंगा फाइव-विकेट हॉल बन गया।

दिलचस्प बात यह रही कि उनके पहले दो ओवर बेहद महंगे रहे, जबकि आखिरी दो ओवरों में उन्होंने शानदार वापसी की।

कौन बनेगा प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, रिकी पोंटिंग की भविष्यवाणी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज रिकी पोंटिंग का मानना है कि एक भारतीय खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी टीम के लिए सबसे बड़ा तुरुप का इक्का साबित हो सकता है। मौजूदा फॉर्म, बेखौफ बल्लेबाजी और पोंटिंग का भरोसा, सब कुछ इशारा कर रहा है कि वह बल्लेबाज भारत की खिताबी उम्मीदों की मजबूत कड़ी बन सकता है।

टी-20 विश्व कप 2026 में टीम इंडिया खिताब का बचाव करने उतरेगी। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टीम इंडिया के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। पोंटिंग का मानना है कि अभिषेक न सिर्फ टूर्नामेंट के टॉप रन-स्कोरर बन सकते हैं, बल्कि प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी जीत सकते हैं।

पोंटिंग ने अभिषेक को क्यों बताया सुपरस्टारः आईसीसी रिव्यू के ताजा एपिसोड में बात करते हुए रिकी पोंटिंग ने अभिषेक शर्मा की तारीफ

करते हुए कहा कि उनकी आईसीसी टूर्नामेंट में अनुभव की कमी दरअसल उनके लिए एक फायदा साबित हो सकती है।

पोंटिंग ने कहा, 'वह एक स्टार हैं। ईमानदारी से कहूं तो अनुभव की कमी मुझे उनके लिए एक बड़ा पॉजिटिव लगती है। वह टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी जीत सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है वह इतने अच्छे खिलाड़ी हैं। अगर वह रन बनाते हैं तो भारत को हराना और भी मुश्किल हो जाएगा। अगर वह नहीं चले, तो भारत भी किसी भी टीम की तरह कमजोर नजर आ सकता है। इस टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए वह बेहद अहम खिलाड़ी हैं।'

रिकी पोंटिंग ने अभिषेक शर्मा के शुरूआती दिनों को भी याद किया, जब वह दिल्ली कैपिटल्स में उनके पहले आईपीएल कोच थे। उन्होंने बताया, 'मैं उनका पहला आईपीएल कोच था। उन्होंने मेरे साथ ही डेब्यू किया था, शायद 17 साल की उम्र में। मुझे याद है, उन्होंने पहली ही गेंद पर गेंदबाज के सिर के ऊपर से सीधा शॉट खेला था, चार या छक्का लगाया और शॉट खेलने के बाद पोज भी रखा। तभी समझ आ गया था कि इस खिलाड़ी में कुछ खास है।'

दिल्ली कैपिटल्स का फैसला और पोंटिंग का अफसोस

पोंटिंग ने यह भी खुलासा किया कि वह दिल्ली कैपिटल्स द्वारा अभिषेक को ट्रेड किए जाने के फैसले के सख्त खिलाफ थे। उन्होंने कहा, 'हमने आखिर में उन्हें दिल्ली से ट्रेड कर दिया, लेकिन मैंने बार-बार कहा था- कृपया ऐसा मत कीजिए। हमें उन्हें रोकना चाहिए, क्योंकि यहां एक जबरदस्त सुपरस्टार तैयार हो रहा है। और वही हुआ, जैसा मैंने सोचा था।'

मौजूदा फॉर्म ने बढ़ाया भरोसा

अभिषेक शर्मा टी20 वर्ल्ड कप से पहले शानदार फॉर्म में हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में उन्होंने पांच मैचों में 182 रन बनाए। तीसरे मुकाबले में उन्होंने सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक लगाया, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। इससे तेज अर्धशतक सिर्फ युवराज सिंह ने 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों में लगाया था।

भारत की खिताब रक्षा में अहम कड़ीः 2018 अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके अभिषेक शर्मा अब अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी20 वर्ल्ड कप खेलने जा रहे हैं। भारत को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड्स के साथ रखा गया है। टीम इंडिया सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी और लगातार दूसरा टी20 वर्ल्ड कप जीतने का लक्ष्य रखेगी।

रेसलमेनिया-42 की राह तय ट्राइबल चीफ की दमदार वापसी

रियाद। डब्ल्यूडब्ल्यूई रॉयल रंबल ने रेसलमेनिया 42 की नींव रख दी है। रोमन रेंस ने अपनी जीत से एक बार फिर डब्ल्यूडब्ल्यूई टाइटल पर अपना दावा ठोका, लिव मॉर्गन ने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की और एजे स्टाइल्स ने एक भावुक विदाई ली।

रियाद में आयोजित डब्ल्यूडब्ल्यूई 2026 एक ऐसी रात बनकर सामने आया, जहां अतीत, वर्तमान और भविष्य का अनोखा संगम देखने को मिला। इस इवेंट ने जहां एक दिग्गज करियर का भावुक अंत दिखाया, वहीं दो ऐसे सुपरस्टार्स को भी जन्म दिया जो अब रेसलमेनिया-42 के मुख्य आकर्षण बनने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक रात का सबसे बड़ा नायक बने रोमन रेंस, जिन्होंने जीत के साथ रेसलमेनिया की राह अपने नाम कर ली। मेंस रॉयल रंबल मुकाबला पूरी तरह रणनीति, ताकत और अनुभव की परीक्षा था। रोमन रेंस ऐसे समय में रिंग में उतरे, जब उनके पास साबित करने को कुछ नहीं था, लेकिन खोया हुआ

साम्राज्य वापस पाने की भूख जरूर थी। मैच में कोडी रोड्स, ब्रॉक लेसनर जैसे दिग्गज मौजूद थे, लेकिन अंत में कहानी सिमटकर आई रोमन रेंस बनाम गुंथर पर अटक गई।

गुंथर बनाम रेंसः ताकत और अनुभव की जंग

मेंस रॉयल रंबल के आखिर में 'द रिंग जनरल' गुंथर और ट्राइबल चीफ रोमन रेंस बचे। गुंथर ने इस दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और कई बार रोमन रेंस को बाहर करने के बेहद करीब पहुंच गए। ऑस्ट्रियन पावरहाउस की ताकत के सामने रेंस लड़खड़ाते जरूर दिखे, लेकिन बड़े मुकाबलों का अनुभव आखिरकार काम आया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन का फाइनल जारी, जोकोविच ने अल्काराज के खिलाफ पहला सेट जीता

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच का सामना स्पेन के कार्लोस अल्काराज से जारी है।जोकोविच 25वें ग्रैंडस्लैम की तलाश में हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच का सामना स्पेन के कार्लोस अल्काराज से जारी है। यह मैच दिलचस्प हो रहा है। एक तरफ युवा जोश और दूसरी तरफ अनुभव है। पहला सेट जोकोविच ने 6-2 से अपने नाम किया। पहले सेट में जोकोविच ने सर्विस और फॉर हेंड का जबरदस्त दम दिखाया। इसके बाद दूसरे सेट में अल्काराज ने जबरदस्त वापसी की और 6-2 से सेट अपने नाम किया। इसके बाद तीसरे सेट में जोकोविच थके हुए नजर आए और इसका फायदा अल्काराज ने उठाया और 6-3 से जीत हासिल की। अब अल्काराज सातवें ग्रैंडस्लैम से एक सेट दूर हैं। वहीं जोकोविच 25वें ग्रैंडस्लैम की तलाश में हैं। अल्काराज अब तक एक बार भी ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं जीत पाए हैं। अल्काराज की नजर पहला ऑस्ट्रेलयन ओपन खिताब जीतने पर होगी।

जोकोविच जीत चुके 24 ग्रैंडस्लैमः टेनिस जगत में नोवाक जोकोविच ने पिछले एक दशक में लगभग हर बड़ा मंच जीत लिया है। उनके नाम कुल 24 ग्रैंड स्लैम हैं, जिसमें शामिल हैं-

जोकोविच इतिहास रचने उतरेंगे

जोकोविच अब 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब से केवल एक जीत दूर हैं। यह उपलब्धि उन्हें टेनिस इतिहास में सबसे ऊंचे स्थान पर ले जा सकती है। न तो महिलाओं में और न ही पुरुषों में किसी ने 25 ग्रैंडस्लैम जीते हैं। महिलाओं में सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम जीतने का रिकॉर्ड मार्ग्रेट कोर्ट के नाम है, जिन्होंने 24 ग्रैंडस्लैम जीते थे। जोकोविच गोल्डन थ्रोन से बस एक खिताब दूर हैं।

सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम (पुरुष/महिला मिलाकर)

खिलाड़ी	श्रेणी(एकल)	ग्रैंडस्लैम	ऑस्ट्रेलियन ओपन	फ्रेंच ओपन	विंबलडन	यूएस ओपन
मार्ग्रेट कोर्ट	महिला	24	11	5	3	5
नोवाक जोकोविच	पुरुष	24	10	3	7	4
सेरेना विलियम्स	महिला	23	7	3	7	6
स्टेफी ग्राफ	महिला	22	4	6	7	5
राफेल नडाल	पुरुष	22	2	14	2	4
रोजर फेडरर	पुरुष	20	6	1	8	5

10 ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताबः
(कब जीता- 2008, 2011, 2012, 2013, 2015, 2016, 2019, 2020, 2021, 2023)
3 फ्रेंच ओपन खिताबः (कब जीता- 2016, 2021, 2023)
7 विंबलडन खिताबः (कब जीता- 2011, 2014, 2015, 2018, 2019, 2021, 2022)
4 यूएस ओपन खिताबः (कब जीता- 2011, 2015, 2018, 2023)

अल्काराज के लिए बड़ा मौका

अल्काराज ने अब तक छह ग्रैंडस्लैम जीते हैं। इनमें ऑस्ट्रेलियन ओपन को छोड़कर बाकी सभी खिताब हैं।

अल्काराज पिछले साल भी ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन सिनर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस बार सिनर को जोकोविच सेमीफाइनल में हराकर बाहर कर चुके हैं, जबकि अल्काराज ने सेमीफाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया था और अपना दम दिखाया था। यह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सबसे दिलचस्प मुकाबलों में से एक माना गया है।

अल्काराज के 6 ग्रैंडस्लैम खिताबों में-

2 फ्रेंच ओपन खिताबः 2024, 2025

2 विंबलडन खिताबः 2023, 2024

2 यूएस ओपनः 2022, 2025

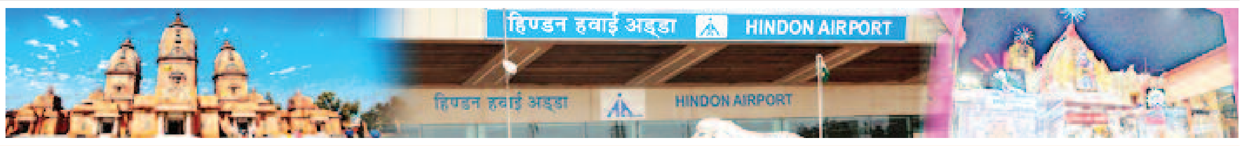

समरकूल-थर्मोकूल की सर्विस मीट में देश भर के सैकड़ों सर्विस पार्टनर्स शामिल

उत्कृष्ट सेवा के लिए दस जोन के नंबर-वन सर्विस सेंटर विशेष सम्मान से नवाजे गए

गाजियाबाद, करंट क्राइम। साहिबाबाद के एक प्रतिष्ठित होटल में शनिवार को देश की जानी-मानी इलेक्ट्रिक होम एप्लायंसेज निमार्ता कंपनियों समरकूल होम एप्लायंसेज लिमिटेड और थर्मोकूल होम एप्लायंसेज लिमिटेड की संयुक्त सर्विस मीट का आयोजन भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में देश भर से सैकड़ों सर्विस पार्टनर्स, इंजीनियर और टेक्नीशियन शामिल हुए। कंपनी की ओर से यह सर्विस मीट नए मॉडलों की तकनीकी जानकारी देने, स्पेयर पार्ट्स से अवगत कराने, बेहतर सर्विस टिप्स साझा करने और आफ्टर-सेल्स सर्विस से जुड़े नियमों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों का पटका पहनाकर और तिलक लगाकर पारंपरिक स्वागत किया गया। इसके बाद कंपनी के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता, राजीव कुमार गुप्ता तथा डायरेक्टर अभिषेक गुप्ता, आशुतोष गुप्ता, तनुज गुप्ता और तुषार गुप्ता सहित अन्य अतिथियों ने गणेश वंदना के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कंपनी की ओर से लगभग 200 सर्विस पार्टनर्स को किट, प्रशस्ति-पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही देश के दस जोन में उत्कृष्ट सेवा देने वाले नंबर-वन सर्विस सेंटरों को विशेष सम्मान प्रतीक चिन्ह भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समरकूल के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2026 तक कंपनी की आफ्टर-सेल्स सर्विस के सेंटर देश के लगभग हर हिस्से में स्थापित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि समरकूल के उत्पादों की गुणवत्ता उच्च स्तर की है और गारंटी अवधि में यदि किसी उपभोक्ता को समस्या आती है तो अब तत्काल सर्विस उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कंपनी की ओर से किसी भी सर्विस पार्टनर को भुगतान से संबंधित कोई समस्या नहीं होती, इसी विश्वास के साथ समरकूल परिवार लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि समरकूल ग्रुप के किसी भी सदस्य को कोई परेशानी आती है तो वह सीधे उनसे संपर्क कर सकता है।

वहीं कंपनी के डायरेक्टर तुषार गुप्ता ने कहा कि विश्व-स्तरीय आधुनिक मशीनों और नई तकनीक के साथ-साथ अब कंपनी की सर्विस भी पूरी तरह टेक्नोलॉजी-ड्रिवन हो चुकी है। इसके चलते अधिकांश मामलों में सर्विस पहली विजिट में ही पूरी हो रही है। उन्होंने बताया कि कंपनी के टोल-फ्री नंबर पर अब आसानी से कंप्लेंट दर्ज होती है और सभी सर्विस सेंटरों पर स्पेयर पार्ट्स की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने सर्विस पार्टनर्स से अपील की कि वे ब्रांड के प्रतिनिधि हैं, इसलिए कुशलता, मधुर व्यवहार और पूर्ण संतुष्टि के साथ हर उपभोक्ता की सेवा करना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। सर्विस मीट के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, तंबोला, म्यूजिकल गेम और अन्य आकर्षक गतिविधियां भी आयोजित की गईं, जिनके विजेताओं को स्मार्ट एलईडी टीवी, जीएमजी समेत कई आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में संजीव कुमार गुप्ता, राजीव कुमार गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, आशुतोष गुप्ता, तनुज गुप्ता, तुषार गुप्ता, रोहित गोयल, पंकज ठाकुर, अशोक शर्मा, बी.पी. अग्रवाल सहित देश भर से आए सैकड़ों टेक्नीशियन उपस्थित रहे।

अनुराग डागर व वैशाली चौधरी का वाग्दान समारोह धूमधाम से संपन्न

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अशोक डागर तथा सुमन डागर के सुपुत्र अनुराग डागर का सगाई समारोह दिनेश चौधरी तथा सुनीता चौधरी की सुपुत्री वैशाली के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों ने वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया।

इकरा हुसैन का निकाह डॉक्टर इजहार खान के साथ धूमधाम से संपन्न

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन की बहन इकरा हुसैन का निकाह डॉक्टर इजहार खान के साथ संपन्न हुआ। इस मुबारक मौके पर समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भुगतान वाले महकमे में क्यों होती है एक खाली चेयर को लेकर चर्चा

सीवर और खडंजे वाला ये महकमा कभी काम पर तो कभी दाम पर तो कभी भुगतान पर चलता है। यहां के सिस्टम को लेकर टेंडर को लेकर कहा कि आप इस महकमे की तुलना एक हाथी से कर सकते हैं यहां दो छोर ऐसे हैं जिनकी तुलना आप हाथी के दांत से भी कर सकते हैं। एक दांत दिखाने के हैं और एक दांत खाने के हैं। एक दांत के पास पूरी वित्तीय पावर है और दूसरे के पास पावर दिखती है लेकिन उतनी है नहीं। किस्सा उस आधा करोड़ वाली फाईल को लेकर चला जो साहब ने गुस्से में लौटा दी थी और मातहत को समझा दिया था कि तुम्हारे बॉस हम हैं और हमें ही बॉस समझना। अन्य किसी को बॉस समझने की मिस्टेक गलती से भी मत कर देना। इसके बाद सुना है कि उन्होंने किसी चेयर की बात कही और कह दिया कि याद रखना वो चेयर अभी तक खाली है। अब सभी इस बात की पूरी केयर कर रहे हैं और खाली चेयर की चर्चा भी कर रहे हैं। जो चेयर खाली है उस पर बैठने वालों ने भी किसी और को बॉस मान लिया था और फिर ये हुआ कि वो खुद ही खाली हो गये। यहां पर दफ्तरी ने ही बताया कि हम तो भाई साहब भूले से भी अपनी जुबान पर उनका नाम साहब के आगे भी नहीं लाते क्योंकि हम सिस्टम को जानते और समझते हैं। हमें अपनी कुर्सी खाली नहीं करनी।

हाथ वालों के यहां क्यों उलझ रहे हैं आपस में दो मुस्लिम नेता

वैसे तो हाथ वालों के यहां सियासी सीन कुछ ऐसा चल रहा है कि बाजा है, बारात नहीं और दूल्हा, दुल्हन साथ नहीं। सियासी उपलब्धियों के नाम पर सिफर है मगर हाथ वालों का जिगर देखो कि अब भी एक दूसरे की टांग खिंचाई से बाज नहीं आ रहे हैं। किस्सा हाथ वालों के बीच उन दो मुस्लिम चेहरों को लेकर चला जो जुबान जुगाली में तो सबसे आगे हैं मगर चार आदमी किसी प्रदर्शन में लाने को कह दो तो दोनों के हाथ खाली हैं। दोनों के बीच जंग चल रही है और इस जंग के रंग का मजा हाथ वाले पूरा ले रहे हैं। पुराने कांग्रेसी ने ही कहा कि अगर इन्हें लड़ना ही है तो फिर एक बार ढंग से लड़ लें। वैसे भी एक नेता जी ने खुद ही बिना हाथ के होने का एलान कर दिया है। और दूसरे नेता जी इसी खुशी में फूले नहीं समा रहे हैं कि वो जा रहे हैं। वो अभी भी इस बात का पता लगा रहे हैं कि चलो हाथ में ना सही लेकिन पता तो चले कि आखिर ये कौन से दल में जा रहे हैं।

किन फूल वालों का मन अब लग नहीं रहा है इस भगवा वाली बहार में

इंतजार की भी एक इंतहा हो गयी और इंतजार करते करते सरकार रिपीट हो गयी। रिपीट के बाद भी सितम ये हुआ कि दूसरी पारी का एंड आने को है लेकिन किस पर कृपा होगी, कौन कृपा करेगा इसका अब कोई जिक्र भी नहीं होता। बड़े चेहरों को लहर पर भरोसा है और वो अब देवतुल्यों की उतनी फिक्र भी नहीं करते और देवतुल्य भी अब इंतजार करते करते इतने निराश हो चुके हैं कि वो भी अब किसी बड़े नेता का अपनी जुबान से जिक्र भी नहीं करते। केसरिया नगरी के लगभग अधेड़ हो चुके एक देवतुल्य ने ही कहा कि बस जुबान से ही कोई नहीं बोल रहा है वरना एक तूफान तो सबके मन में पल रहा है। किसी की दुकान टूटी तो कोई नहीं बोला और किसी के दफ्तर पर कार्यवाही हो गयी सब खामोश रहे। भाजपा के ही पार्षद को अवर अभियंता ने नोटिस भेज दिया और सदन में हलचल भी नहीं हुई। उसने कहा कि इन किस्सों की एक पूरी लिस्ट है, मगर आप लिखकर ले लो कि ये कहानी का ट्विस्ट है। अधेड़ भाजपाई ने बताया कि यहां पर युवा नेताओं से लेकर ऐसे नव भाजपाई भी शामिल हैं जिनकी उम्मीदें अब दम तोड़ रही हैं। इन फूलों का दम अब भगवा कयारी में लग नहीं रहा है। बात भी काफी हद तक सही है क्योंकि सरकारी दफ्तरों में चपरासी भी नहीं पूछ रहा और बड़े नेताओं के यहां उनके दरबान भी सम्मान नहीं देते हैं। नाराज होकर हम जायेंगे कहां क्योंकि अब उन्हें लहर पर भरोसा है और देवतुल्यों की नाराजगी उनकी सत्ता के तख्त को हिलाने की ताकत में नहीं है।

शुभांकर पांचाल और साक्षी की रिंग सेरेमनी धूमधाम से संपन्न

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बृजपाल पांचाल के सुपुत्र शुभांकर की रिंग सेरेमनी दिल्ली निवासी साक्षी के साथ धूमधाम से संपन्न हुई। पांचाल परिवार की ओर से कृष्णपाल पांचाल तथा पांचाल परिवार के सभी सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत सत्कार किया। समाज के गणमान्य लोगों ने शुभांकर पांचाल तथा साक्षी को बधाई व आशीर्वाद दिया।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

Ajitpal Tyagi
22m

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) आदरणीय श्री बी.एल. संतोष जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आपका अनुशासित नेतृत्व, संगठनात्मक दक्षता एवं पार्टी के प्रति समर्पण हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि आप उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु के साथ राष्ट्र सेवा में निरंतर योगदान देते रहें।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में शब्द बताते हैं कि आप किसके प्रति समर्पित है और किसका सिंह आपको मिलता है। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी. एल .संतोष के जन्मदिन पर मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। अपने शब्दों के माध्यम से बताया कि वह किस तरह से उनके प्रेरणा स्त्रोत है। जन्मदिन की इस बधाई को मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने फेसबुक पर साझा किया। जन्मदिन की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

वार्ड 68 में मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए विशेष अभियान, बूथों पर लोगों ने भरा फार्म 6

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 68 बृज विहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए विशेष अभियान चलाया गया। आगामी चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर आयोजित इस कैंप में मतदाता सूची को अपडेट करने और त्रुटियों को सुधारने के लिए स्थानीय नागरिकों ने उत्साह दिखाया।

कैंप में उन युवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और पहली बार अपना वोट बनवाना चाहते हैं। इसके साथ ही:

फॉर्म 6: नए मतदाता पंजीकरण के लिए।

फॉर्म 7: मतदाता सूची से नाम कटवाने या आपत्ति दर्ज करने के लिए।

फॉर्म 8: नाम, पता, फोटो या अन्य सुधार और स्थानांतरण के लिए।

बूथ लेवल अधिकारी दिनभर अपने निर्धारित बूथों पर मुस्तैद रहे और नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया। चुनाव विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि जो लोग बूथ तक नहीं पहुंच सके, वे चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट voters.eci.gov.in के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रशासन ने अपील की है कि सभी पात्र नागरिक अपना नाम सूची में सुनिश्चित करें ताकि भविष्य में मतदान के दौरान किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

अभियान के दौरान क्षेत्र की सामाजिक भागीदारी भी देखने को मिली। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष सुधीर त्यागी, पार्षद विनय चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी, के डी पराशर, वीरेंद्र सिंह, अशोक पांडेय, लल्लन सिंह, सुधीर त्यागी, विक्रम चौधरी, पुष्कर नगरकोटी, धीरज सिंह, दीप तोमर, भुवन जोशी और सुनील पंवार आदि लोग उपस्थित रहे ।

पार्षद यशपाल पहलवान ने गगन विहार में इंटरलॉकिंग टाइल्स और नाली निर्माण कार्य का किया उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 20 के पार्षद यशपाल पहलवान ने क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए गगन विहार सी-ब्लॉक की गली नंबर 6 में विकास कार्यों की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय सम्मानित नागरिकों की उपस्थिति में इंटरलॉकिंग टाइल्स और नई नाली के निर्माण कार्य का विधि-विधान से उद्घाटन कराया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पार्षद यशपाल पहलवान ने कहा, मेरा लक्ष्य क्षेत्र का चहुंमुखी विकास है। हमने पिछले समय में रिकॉर्ड विकास कार्य किए हैं और आगे भी 'विकास किया है, विकास करूँगा' के संकल्प के साथ आपकी आशाओं पर पूरी तरह खरा उतरूँगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान उनकी पहली प्राथमिकता है।

इस अवसर पर पार्षद ने खुद उद्घाटन करने के बजाय क्षेत्र के बुजुर्गों और सम्मानित लोगों से कार्य का शुभारंभ कराकर एक नई मिसाल पेश की। इस अवसर पर जय कसाना , डॉ. कमल गिरिराज सिंह, सचिन चौधरी, शिबू, सतीश, कुंवरपाल, अशोक भाटी, सुरेंद्र, रोहित, यादराम, दिनेश, सुभाष, अंकित आदि लोग मौजूद रहे।

क्षेत्रीय निवासियों ने विकास कार्य शुरू होने पर खुशी जाहिर की और पार्षद यशपाल पहलवान का आभार व्यक्त किया। लोगों का कहना है कि इंटरलॉकिंग टाइल्स लगने से जलभराव और गंदगी की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी।

वार्ड 89 के रामप्रस्था ग्रीन्स में लगा स्वास्थ्य शिविर 300 से अधिक लोगों ने कराई जाँच

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सामुदायिक कल्याण और बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में कदम बढ़ाते हुए वैशाली के वार्ड 89 स्थित रामप्रस्था ग्रीन्स में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। रामप्रस्था एनएक्सटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित इस शिविर में मैक्स हॉस्पिटल और रोटरी ब्लड बैंक का विशेष सहयोग रहा।

शिविर में स्थानीय निवासियों का भारी उत्साह देखा गया, जहाँ 300 से अधिक लोगों ने अपनी सेहत की जाँच कराई और परामर्श लिया। डॉ की अनुभवी टीम ने ब्लड प्रेशर, शुगर और अन्य बीमारियों पर निःशुल्क परामर्श दिया। साथ ही, रोटरी ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान के महत्व को साझा किया गया। रामप्रस्था एनएक्सटी के चेयरमैन अजीत सिंह यादव, एस. यादव के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। समाज के स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक योगदान देना हमारी प्राथमिकता है। हम भविष्य में भी सामुदायिक कल्याण के लिए ऐसे प्रयास जारी रखेंगे।

पार्षद राजकुमार भाटी ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज ही उन्नति का आधार है और इस तरह के शिविरों से आम जनता को घर के पास ही विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा मिल जाती है। उन्होंने अपील की कि सभी निवासियों को समय-समय पर अपनी स्वास्थ्य जाँच करानी चाहिए।

लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट ने मनाया संत शिरोमणि रविदास प्रकटोत्सव

पाखंड और जातिवाद के विरुद्ध संत रविदास का ज्ञान मार्ग ही सच्चा रास्ता : राम दुलार यादव

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा ज्ञानपीठ केन्द्र-1, स्वरूप पार्क में संत शिरोमणि रविदास का प्रकटोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समाजवादी विचारक राम दुलार यादव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्वानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने संत रविदास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मुख्य वक्ता राम दुलार यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि संत रविदास ने उस दौर में कट्टरपंथी ताकतों और पाखंड को चुनौती दी जब समाज वैचारिक संकट और सामंतवादी कट्टरता से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि रविदास ने न केवल हिंदू पाखंडवाद बल्कि मुस्लिम कट्टरता पर भी कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि जब तक मन में शैतानियत है, तब तक इबादत का कोई अर्थ नहीं है।

कार्यक्रम में चिंता व्यक्त की गई कि आज 21वीं सदी में भी समाज में ईर्ष्या, द्वेष और असहिष्णुता का वातावरण बनाया जा रहा है। आज रविदास के नाम का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ और वोट बैंक के लिए किया जा रहा है, जबकि उनके मूल विचारों—सद्भाव और भाईचारे—को नजरअंदाज किया जा रहा है। उनके विचारों के साथ न्याय तभी होगा जब हम एक समतामूलक समाज बनाएंगे। इस अवसर पर ब्रह्म प्रकाश, एस. एन. जायसवाल, अनिल मिश्र, इंजी. धीरेन्द्र यादव, राजेन्द्र सिंह, हुकुम सिंह आदि मौजूद रहे।

वैशाली में 'विराट हिन्दू सम्मेलन' का आयोजन

संघ के शताब्दी वर्ष पर एकता और पंच-परिवर्तन का संकल्प

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर वैशाली, सेक्टर-1 के मैदान में 'विराट हिन्दू सम्मेलन' संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिन्दू समाज में एकता, बंधुत्व और स्वाभिमान की भावना को सुदृढ़ करना था। प्रमुख वक्ता संजय भसीन सह महानगर संघ चालक ने कहा कि 'पंच परिवर्तन' विषय पर जोर देते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव का आह्वान किया। आचार्य डॉ. विक्रमादित्य (पीतांबरा पीठाधीश) ने 'हिन्दुत्व की विशेषता, वर्तमान चुनौतियाँ और समाधान' पर अपना मार्गदर्शन दिया। राजकुमार मटाले अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख ने मुख्य वक्ता के रूप में 'संघ की 100 वर्षों की यात्रा' पर विस्तार से प्रकाश डाला।

आरएसएस के वक्ताओं ने उपस्थित जनसमूह से भारतीय संस्कृति और संस्कारों को जीवन में उतारने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से पांच संकल्पों को अपनाने पर जोर दिया। सामाजिक समरसता जातीय भेदभाव का अंत, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व आधारित जीवन, नागरिक कर्तव्यबोध, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विशिष्ट अतिथि।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ, जिसके बाद बच्चों द्वारा कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इनमें 'लव जिहाद' विषय पर आधारित एक लघु नाटिका भी आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर प्रीति गोयल घनश्याम गुप्ता अशोक कुमार सुभाष शर्मा पार्षद कुसुम गोयल, पूर्व पार्षद डॉ. मनोज गोयल एवं क्षेत्र के अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक 'समरसता भोज' के साथ हुआ, जिसमें समाज के सभी वर्गों ने एक साथ मिल-बैठकर भोजन किया और एकता का संदेश दिया।

एशियन वेटरन चैंपियनशिप : भानु सेठ के तूफान में उड़ा हॉन्गकॉन्ग, भारत शान से फाइनल में पहुँचा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बैंकॉक, थाईलैंड थाईलैंड में खेली जा रही एशियन वेटरन क्रिकेट चैंपियनशिप में भारतीय टीम का विजय रथ लगातार जारी है। रविवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने हॉन्गकॉन्ग को 104 रनों के भारी अंतर से शिकस्त देकर टूनार्मेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। यह भारत की लगातार चौथी जीत है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 240 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारत की शुरूआत बेहद आक्रामक रही। सलामी बल्लेबाज भानु सेठ ने मैदान के चारों ओर चौकों-छक्कों की बारिश करते हुए मात्र 27 गेंदों में 88 रनों की विध्वंसक पारी खेली। उनके अलावा पैरी (परविंदर) ने 52 रन और आमिर खान ने 45 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

241 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी हॉन्गकॉन्ग की टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने पूरी तरह असहाय नजर आई। हॉन्गकॉन्ग की टीम 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर केवल 136 रन ही बना सकी। भारत की ओर से मदर बसप्पा सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने अपने 4 ओवर के कोटे में मात्र 15 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए।

शानदार बल्लेबाजी के लिए भानु सेठ को 'मैन ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। एशियन वेटरन क्रिकेट चैंपियनशिप के सचिव रविंद्र त्यागी ने बताया कि भारतीय टीम अब 4 फरवरी को फाइनल मुकाबला खेलेगी, जहाँ उसका सामना ग्रुप की दूसरे नंबर की टीम से होगा।

पार्षद शिल्पा चौधरी की पहल : शिव गंगा और आकाश गंगा सोसाइटी में ग्रीन बेल्ट फेंसिंग का कार्य शुरू

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा वार्ड 61 की पार्षद शिल्पा चौधरी के प्रयासों और क्षेत्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के फलस्वरूप एक महत्वपूर्ण विकास कार्य का शुभारंभ हुआ है। शिव गंगा और आकाश गंगा सोसाइटी के पीछे स्थित ग्रीन बेल्ट क्षेत्र को सुरक्षित बनाने के लिए तार फेंसिंग के कार्य का विधि-विधान से शिलान्यास किया गया।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान पार्षद प्रतिनिधि आशीष चौधरी ने कहा कि ग्रीन बेल्ट को सुरक्षित रखना न केवल पर्यावरण के लिए जरूरी है, बल्कि यह स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से भी जुड़ा विषय है। उन्होंने बताया कि फेंसिंग होने से इस क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण पर पूरी तरह रोक लगेगी और हरियाली को नष्ट होने से बचाया जा सकेगा। इस त्वरित कार्रवाई से शिव गंगा और आकाश गंगा सोसाइटी के निवासियों में हर्ष की लहर है। इस अवसर पर सोसाइटी के गणमान्य व्यक्ति, रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधि और क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने इस जनहितैषी कार्य की सराहना की।

इंदिरापुरम मंडल में बजट परिचर्चा आयोजित कार्यकर्ताओं को बताए बजट के लाभ

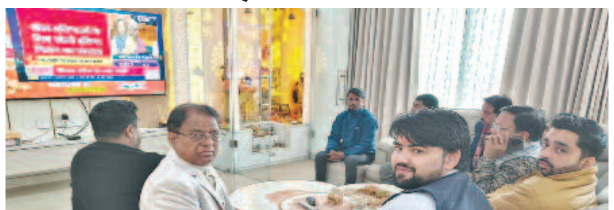

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा महानगर अध्यक्ष के निदेर्शानुसार, रविवार को मंडल स्तर पर केंद्र सरकार के बजट पर विस्तृत परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंडल अध्यक्ष मंजुला गुप्ता के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें बजट की बारीकियों और जन-कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई।

इस विशेष आयोजन में पूर्व उपाध्यक्ष सतीश शर्मा का विशेष सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। परिचर्चा के दौरान वक्ताओं ने बताया कि बजट किस प्रकार समाज के हर वर्ग, विशेषकर मध्यम वर्ग और युवाओं के लिए लाभकारी है।

कार्यक्रम में संगठन की मजबूती और जन-जन तक बजट की खूबियाँ पहुँचाने के संकल्प के साथ टीम के सभी सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर देवासी दत्ता मंडल महामंत्री, आकाश वर्मा, अंकुर त्यागी, नवीन शर्मा उपाध्यक्ष, अजय गुप्ता, शिवम त्यागी शक्ति केंद्र संयोजक, इंद्रदेव मंडल मंत्री, मंडल अध्यक्ष मंजुला गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बजट के सकारात्मक पहलुओं को बूथ स्तर तक ले जाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने संगठन के आगामी कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया।

अमेरिका और रूस के बीच हुई सकारात्मक बातचीत, शांति की बढ़ी उम्मीदें

फ्लोरिडा। करीब चार साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में पहली बार साफ संकेत मिल रहे हैं कि बातचीत के जरिये समाधान निकल सकता है। दरअसल, अमेरिकी विशेष दूत और रूसी प्रतिनिधि के बीच फ्लोरिडा में सकारात्मक बातचीत हुई है। अब आने वाले दिनों में यह साफ होगा कि ये कूटनीतिक प्रयास युद्ध रोकने में कितने सफल होते हैं। यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की दिशा में अमेरिका और रूस के बीच एक अहम बातचीत हुई है। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और रूस के विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव के बीच हुई इस बैठक को दोनों पक्षों ने सकारात्मक और उपयोगी बताया है। यह बैठक अमेरिका के फ्लोरिडा में हुई, जहां दोनों देशों ने यूक्रेन युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान निकालने पर चर्चा की।
बातचीत के बाद विटकॉफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि रूस शांति की दिशा में काम करने को तैयार दिख रहा है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने इस पहल के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड की तारीफ की और कहा कि उनकी अगुवाई में अमेरिका स्थायी और लंबे समय तक टिकने वाली शांति चाहता है।

ईरान के बंदर अब्बास में विस्फोट, 4 साल की बच्ची की मौत; ड्रिल से पहले बढ़ा तनाव

बंदर अब्बास (ईरान)। ईरान के बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में हुए विस्फोट में एक 4 वर्षीय बच्ची की मौत और 14 लोग घायल हुए। होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रस्तावित नौसैनिक अभ्यास से ठीक पहले हुई इस घटना ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है।

ईरान के प्रमुख बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में एक रिहायशी इमारत में हुए जोरदार विस्फोट से अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में 4 साल की एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि कम से कम 14 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह घटना ऐसे समय पर हुई है, जब ईरान एक दिन बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक अभ्यास करने वाला था जिस पर अमेरिका की भी करीबी नजर बनी हुई है।

स्थानीय मीडिया में सामने आए वीडियो में देखा गया कि राहतकर्मी मलबे से घायलों को बाहर निकाल रहे हैं। फुटेज में एक सुरक्षा बल के सदस्य को स्ट्रेचर पर ले जाते हुए भी दिखाया गया, जिनकी हालत गंभीर बताई गई। हालांकि, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने किसी वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारी के घायल होने की खबरों का खंडन किया है।

गैस रिसाव को बताया गया विस्फोट का कारण

ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, स्थानीय फायर विभाग के एक अधिकारी ने विस्फोट की वजह गैस रिसाव को बताया है। शुरूआती जांच में इसे आतंकी हमला या सैन्य घटना से जोड़कर नहीं देखा जा रहा, लेकिन समय और स्थान को लेकर सवाल जरूर उठ रहे हैं। बंदर अब्बास, होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित है वही जलमार्ग जिससे दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल व्यापार गुजरता है। अमेरिका पहले ही ईरान को चेतावनी दे चुका है कि वह इस जलडमरूमध्य में उसके युद्धपोतों या वाणिज्यिक जहाजों को किसी तरह का खतरा न पहुंचाए।

इसी दिन ईरान के दक्षिण-पश्चिमी शहर अहवाज में भी एक अन्य गैस विस्फोट की खबर सामने आई, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। लगातार हो रही इन घटनाओं ने देश के भीतर सुरक्षा और बुनियादी ढांचे पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

निपाह एक दुर्लभ लेकिन गंभीर बीमारी, डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा- इसके मामले सिर्फ भारत तक सीमित

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख ने निपाह वायरस को दुर्लभ लेकिन गंभीर बताया। वहीं, उन्होंने कहा कि इसके मामले सिर्फ भारत में सामने आए हैं । अन्य देशों से कोई सूचना नहीं है।

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने शनिवार को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि निपाह वायरस के मामले दुर्लभ हैं लेकिन गंभीर भी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि निपाह वायरस के प्रकोप से जुड़े मामले केवल भारत तक ही सीमित हैं। किसी अन्य देश से इनकी सूचना नहीं मिली है।

पहली पहचान के बाद तीसरे मामला-घेब्रेयसस

घेब्रेयेसस ने एक्स पर लिखा,पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस संक्रमण के दो मामले सामने आए है। वे 1998 में वायरस की पहली पहचान के बाद से इस राज्य में तीसरे मामले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में अधिकारी 190 से अधिक संपर्कों की निगरानी कर रहे हैं। अभी तक किसी में भी यह बीमारी विकसित नहीं हुई है। उन्होंने आगे लिखा, अधिकारियों ने बीमारी की निगरानी और परीक्षण बढ़ा दिए हैं, स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में रोकथाम और नियंत्रण के उपाय लागू किए हैं। जनता को खुद को सुरक्षित रखने के तरीकों के बारे में सूचित कर रहे हैं।

सबरीमला मंदिर से सोना चोरी के आरोपी ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा, एक केस में पहले मिल चुकी है जमानतः डब्ल्यूएचओ प्रमुख की यह चेतावनी वैश्विक स्वास्थ्य संस्था द्वारा यह कहने के एक दिन बाद आई है कि वायरस के फैलने का जोखिम कम है। किसी भी यात्रा या व्यापार प्रतिबंध की कोई आवश्यकता नहीं है। स्वास्थ्य निकाय ने यह भी कहा था कि मानव से मानव में संक्रमण बढ़ने का कोई सबूत नहीं है, और इसलिए जोखिम कम बना हुआ है।

पश्चिम बंगाल में दो लोग हुए थे संक्रमित

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में निपाह वायरस के दो मामले सामने आए थे। दोनों ही नर्सें थीं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों ने बाद में बताया कि उनकी हालत में सुधार हुआ है। उनकी जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। पुरुष नर्स को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि महिला नर्स को वेंटिलेटर से हटा दिया गया है, लेकिन उन्हें अभी भी निगरानी में रखा गया है।

डब्ल्यूएचओ ने एक विज्ञप्ति में कहा, ₹दोनों मामलों में दिसंबर 2025 के अंत में गंभीर एनआईवी संक्रमण के विशिष्ट लक्षण विकसित हुए और उन्हें जनवरी 2026 की शुरूआत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। 21 जनवरी 2026 तक, दूसरे मामले में नैदानिक सुधार देखा गया, जबकि पहला मामला गंभीर स्थिति में रहा। 'केरल के लिए बजट में क्या मिलेगा, यह देखना दिलचस्प होगा'; शशि थरूर ने घोषणाओं की जताई उम्मीद

निपाह वायरस चमगादड़ों से मनुष्यों में फैलता :

स्वास्थ्य निकाय ने बताया था कि निपाह वायरस चमगादड़ों से मनुष्यों में फैलता है और यह निकट संपर्क या दूषित भोजन के माध्यम से हो सकता है। इस वायरस से जुड़े लक्षण बुखार, मांसपेशियों में दर्द और सिरदर्द हैं, जिससे इसका पता लगाना अधिक कठिन हो सकता है।

यदि कोई व्यक्ति इस वायरस से संक्रमित हो जाता है, तो उसे मस्तिष्क में सूजन होने की संभावना होती है और मृत्यु की संभावना 40% से 75% के बीच होती है।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति 'ऋतु रंग' ने गाजियाबाद में दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

मुख्य अतिथि ललित जायसवाल ने शास्त्रीय नृत्य परंपरा के संरक्षण की सराहना की

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नूपुर कथक केंद्र द्वारा 'ऋतु रंग' शीर्षक से भारतीय शास्त्रीय नृत्य कार्यक्रम का आयोजन शनिवार संध्या को जानकी ऑडिटोरियम, कविनगर में किया गया। यह प्रस्तुति केंद्र की वार्षिक नृत्य श्रृंखला 'नूपुर संध्या' के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसमें गुरु, शिष्य, विद्यार्थी तथा सांस्कृतिक जगत से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की परिकल्पना एवं निर्देशन नूपुर कथक केंद्र की प्रमुख आशा बंसल द्वारा किया गया। उन्हें इस प्रस्तुति में रश्मि राठी कला वृंद की मनीषा हांडा तथा देवध्वनि कथक संस्था की अनन्या बसु का रचनात्मक सहयोग प्राप्त हुआ। तीनों की संयुक्त संकल्पना, सुस्पष्ट दृष्टि और सुव्यवस्थित संरचना ने संपूर्ण प्रस्तुति को एक सशक्त एवं सुसंगठित स्वरूप प्रदान किया।

कार्यक्रम में भारतीय ऋतु परंपरा की छह ऋतुओं की भावात्मक और सौंदर्यात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की गई। सशक्त अभिनय, लयात्मक जटिलता और संतुलित नृत्य विन्यास के माध्यम से शास्त्रीय साहित्य और नाट्यशास्त्र की परंपरा को जीवंत किया गया। कथक परंपरा में रचा-बसा यह कार्यक्रम भरतनाट्यम और ओडिसी शैलियों के तत्वों से भी समृद्ध रहा, जिससे प्रस्तुति को शैल्पिक विविधता और गहराई प्राप्त हुई। कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा संगठन, गाजियाबाद के प्रमुख एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय व्यक्तित्व ललित जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रस्तुति की कलात्मक गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा के संरक्षण और भावी पीढ़ी तक इसके संस्कार पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अन्य विशिष्ट अतिथियों में पं. हरिदत्त शर्मा (बी.एन. भारतखंडे संगीत महाविद्यालय), तारा गुप्ता (गांधर्व संगीत विद्यालय) तथा शमिता रोहड़ा, प्राचार्य, उत्तम स्कूल फॉर गर्ल्स शामिल रहीं। अतिथियों ने कलाकारों के अनुशासन, भाव-प्रस्तुति और मंचीय परिपक्वता की प्रशंसा करते हुए आयोजकों के प्रयासों को सराहा। नूपुर कथक केंद्र की वार्षिक श्रृंखला 'नूपुर संध्या' भारतीय शास्त्रीय नृत्य को समर्पित एक सशक्त मंच के रूप में निरंतर अपनी पहचान बना रही है। 'ऋतु रंग' इस श्रृंखला की एक सुसंस्कृत और प्रभावशाली कड़ी के रूप में स्मरणीय रहा। कार्यक्रम के अंत में केंद्र की प्रमुख आशा बंसल ने सभी अतिथियों, कलाकारों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए अपने माता-पिता के सहयोग को भी विशेष रूप से स्मरण किया।

इंदीरापुरम की सनराइज ग्रीन्स के निवासियों का फूटा गुस्सा

अवैध क्लाउड किचन के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदीरापुरम स्थित सनराइज ग्रीन्स सोसाइटी के निवासियों ने रविवार को आवासीय क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे क्लाउड किचनों और उनसे होने वाले अग्नि-खतरों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। 'जान है तो जहान है' के नारों के साथ निकले इस शांतिपूर्ण मार्च में महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं समेत सैकड़ो से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

सनराइज ग्रीन्स एओए के अध्यक्ष अमित चौधरी ने कहा, आवासीय परिसरों में बिना अनुमति चल रहे ये क्लाउड किचन किसी टाइम बम से कम नहीं हैं। यहाँ क्षमता से अधिक गैस सिलेंडर रखे जाते हैं, जिससे पूरी सोसाइटी पर हर वक्त खतरा मंडराता रहता है। जन-सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। हालिया आग की घटनाओं से सहमे लोग निवासियों का गुस्सा तब और बढ़ गया जब रैली उन दुकानों के पास पहुँची, जो हाल ही में भीषण आग की चपेट में आकर पूरी तरह खाक हो चुकी हैं। पिछले कुछ महीनों में क्षेत्र में आगजनी की चार बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। निवासियों का कहना है कि प्रशासन को बार-बार पत्र लिखने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी रोष है। आवासीय क्षेत्रों और बेसमेंट में चल रहे अवैध क्लाउड किचनों को तुरंत बंद किया जाए।

फायर ऑडिट: अग्नि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो। व्यावसायिक गतिविधियों की नियमित निगरानी के लिए स्पष्ट नियमावली लागू हो। निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने जल्द ही इन 'अग्नि कुंडों' पर लगाम नहीं लगाई, तो वे अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आंदोलन को और तेज करेंगे।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा आरडीजी का अंदाज हमेशा रहता है फायर? कहने वाले ने कहा हमें लगता है कि वो पूरी तरह से भाजपा नेता ना बनें? मगर बन सकते हैं क्रांतिकारी शायर? कहने वाले ने कहा कि वो लेते है समाज की राजनीति से धार? ऐसे ही आते हैं बाहर उनकेविचार? कहने वाले ने कहा भले ही समाज का व्यक्ति विपक्ष का विधायक हो? हम अमरपाल जी को लेकर भी पढ़ चुके हैं उनके विचार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब भी मैं किसी अच्छे कार्यक्रम में संख्या को कम देखता हूं? तो मेरा दिल हो जाता है आधा? कहने वाले कह रहे थे कि कार्यालय पर हुई बजट वाली गोष्ठी में संख्या होनी चाहिए थी ज्यादा? 15 चेहरों की मौजूदगी से नहीं जाता है कोई मजबूत पैगाम? गोष्ठी को सुनने वाले चेहरे थे पार्टी के? इससे क्या फर्क पड़ा होगा श्रीमान? हमें लगता है इसको पढ़ने के बाद देने वाले जरूर देंगे ध्यान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा जैन जी कर सकते हैं एमएलसी चुनाव की दौड़ में बड़े से बड़े दावेदारों को बेचैन? सुना है उनका ऊपर के लेवल तक पहुंच गया है नाम? कहने वाले ने कहा वो स्थिति में आ गये हैं कि अगर शॉट लिस्ट होगी नामों की सूचि तो उसमें भी होगा उनका नाम? कहने वाले ने कहा कि धीरे धीरे ही सही उन्होंने जो करना था कर दिया है काम?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जैन साहब के बाकी दावेदारों को बेचैन करने के पीछे हमें दिख रहा है एक बड़े वैश्य नेता का हाथ? कहने वाले ने कहा कि ये वैश्य नेता त्रिकालदर्शी हैं? ये फिर बीच रास्ते में नहीं छोड़ते जिसका पकड़ लेते हैं हाथ? सुना है यही वैश्य चेहरे कर रहे हैं जैन साहब की भूमिका तैयार? कहने वाले ने कहा कि वैसे भी जैन साहब इस मैटर को डिजर्व करते हैं? ये वाली तो बहुत पहले ही आ जानी चाहिए थी उन पर बहार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें समझ नहीं आ रहा लोनी वाले पवन भईया का प्लान? अकसर वो सोशल मीडिया पर आकर डालते हैं अपने चुनाव लड़ने वाले बयान? कहने वाले ने कहा कि वीडियो बनाने के अलावा वो कर रहे हैं और किस तरीके से लड़ाई? ये वाला सीन फिलहाल दिखाई? कहने वाले ने कहा कि मन में बसने वाले नंदकिशोर इनका साथ देंगे? या फिर उनका प्यार युवा सौम्य मावी को लेकर देगा दिखाई?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ के एक वैश्य पार्षद से अधिकारियों से कर दिया है साफ? कह दिया है कि तुम विकास के काम को लेकर मत आया करो हमारे पास? हम नहीं कर पायेंगे तुम्हारे पक्ष में विकास वाला वर्क ऑर्डर जारी? तुमने लड़ाई सिस्टम के दो मजबूत चेहरों से ले ली है? हम नहीं निभा पायेंगे चाहकर भी तुमसे यारी?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि गाजियाबाद में चल रही है एक बड़ी कथा? कथा में ले रहे हैं पहुंचकर बड़े बड़े चेहरे आशीर्वाद? मगर हमने इन फोटो में जमाई हुई है एक विधायक पर भी नजर? उन विधायक के दर्शन अभी तक नहीं हुए हैं साहब? हमने देखा कि जो विधायक जी के चहेते करते हैं उनसे प्यार? उन्होंने भी नहीं दिये हैं अपने दर्शन यार? कहने वाले ने कहा कि या तो विधायक जी के पास समय नहीं है? या फिर है किसी को लेकर उनके मन में तकरार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि वैसे ही रख रहा हूं मैं आपसे अपने मन की बात? लगता है बजरंगी भईया नहीं लड़ना चाहते हैं अगला निगम वाला चुनाव? पहले तो वो अपने छोटे छोटे कार्यों का खूब करते थे बखान? मगर इस बार तो उन्होंने मौन साध रखा है श्रीमान? लगता है वो कर रहे हैं अब विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी? इसलिए होले होले खेल रहे हैं वो वार्ड से पारी?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि इसमें कोई शक नहीं कि कथा से मिल गया है भगवागढ़ के एक प्रमुख चेहरे को आशीर्वाद? ये आशीर्वाद इनका मामला मजबूत कर गया है साहब? सबसे बड़ी बात ये है कि कथा में दी है एक द यूनियन के भी मजबूत चेहरे ने दस्तक? ये दस्तक और मजबूत करेगी इन वैश्य चेहरे का मस्तक? सुना है इस दस्तक ने दिल जलों का भी दिल जलाया है यार? अभी तो पार्टी शुरू हुई है? अभी तो करो और भी इंतजार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आज देखना है कि साहब के दरबार में कौन कौन से चेहरे देंगे दस्तक? क्या जो पिछले कई समय से दूरियां बनाकर चल रहे हैं? वो क्या यहां पर दिखाई देंगे आज हूजूर? कहने वाले ने कहा कि साहब का अपना क्रेज है? उनसे मौहब्बत करने वाले खुद को नहीं रख पाते हैं उनसे दूर? कहने वाले ने कहा कि आज यही नजारा तो हमको देखना है हूजूर?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

सम्मान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कविनगर रामलीला मैदान में मंगलमय परिवार द्वारा आयोजित प्रभु श्री राम कथा महोत्सव में रविवार को पूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी पहुंचे। इस अवसर पर प्रवीण चौधरी को सम्मानित भी किया गया।

तमंचा और 2.65 किलो गांजे के साथ तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। गस्त व चेकिंग कर रही पुलिस ने आज तीन शातिर बदमाशों को तमंचा और तस्करी कर लाई गई अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। तमंचे के साथ पकड़ा गया बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने के मकसद से शिकार की तलाश में घूम रहा था।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने अवैध गांजे की बिक्री करने वाले 2 अभियुक्त सत्ते पुत्र जोगराज और सुशील उर्फ सूखे पुत्र सोहनलाल को न्यू हैबतपुर टी प्वाईंट से अवैध गांजे व स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि बदमाशों के कब्जे से 2 किलो 650 ग्राम अवैध गांजा व घटना में प्रयुक्त की एक स्कूटी बरामद की गई है।

पार्षद गौरव सोलंकी ने किया सीसी रोड के निर्माण कार्य का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वैशाली वार्ड-76, के पार्षद गौरव शिवानी सोलंकी ने नारियल तोड़कर सीसी रोड का निर्माण कार्य शुरू कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वार्ड के सम्पूर्ण विकास के लिए एक योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। पार्षद गौरव सोलंकी ने बताया कि यह सड़क सीसी रोड बनाई जाएगी, जिससे यह सड़क अधिक मजबूत और सुंदर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता का सहयोग और आशीर्वाद ही उनकी प्रेरणा है। इस अवसर पर सम्मानित निवासियों की मौजूदगी में पार्षद गौरव सोलंकी ने कहा कि वे स्मार्ट, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वैशाली के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यातायात पुलिस का विशेष अभियान: 5772 चालान और 11 वाहन सीज

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर के नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में यातायात पुलिस ने यातायात के अलग-अलग नियमों का उल्लंघन करने पर फरवरी माह के प्रथम दिन 5772 वाहनों का चालान किया। वहीं दस्तावेज नहीं होने पर 11 वाहनों को सीज किया। इस दौरान पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की नसीहतें व सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा का पाठ भी पढ़ाया। पुलिस उपायुक्त यातायात मनीषा सिंह ने बताया कि नोएडा शहर के विभिन्न जगहों पर आज विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की गई।

उन्होंने बताया कि मैनुअल 2261 चालान एवं ISTMS कैमरों द्वारा 3511 वाहनों के कुल 5772 ई चालान की कार्यवाही की गई एवं 11 वाहनों को सीज किया गया। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान (बिना हेलमेट,ओवर स्पीड,विपरीत दिशा,ड्रिंक एंड ड्राइव) के अंतर्गत बिना हेलमेट 2342, विपरीत दिशाझ्र311, ओवर स्पीड 297 तथा ड्रिंक एंड ड्राइव के12 वाहन चालकों पर कार्यवाही की गई।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।